इंदौर, भोपाल से एक साथ प्रकाशित

मृदुभाषी

सच्ची ख़बरें, सलीके के साथ



04
निवेशकों की संपत्ति में 1.83 लाख करोड़ की बढ़त



04
सोना-चांदी में जोरदार गिरावट

youtube.com/mradubhashi x.com/mradubhashi1 facebook.com/mradubhashi

इंदौर, शनिवार, 21 नवम्बर 2026 नगर संस्करण, वर्ष: 07, अंक: 63, पृष्ठ: 08, मूल्य: 5:00 रूपए

पीएम मोदी बोले: युद्ध और उथल-पुथल के दौर में सांस्कृतिक जुड़ाव से शांति का रास्ता

पुराना किला में पहले SCO सभ्यता संवाद का आगाज

मृदुभाषी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार शाम दिल्ली के ऐतिहासिक पुराना किला में पहले शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) सभ्यता संवाद फोरम का भव्य उद्घाटन किया। 20 से 22 नवंबर तक चलने वाले इस आयोजन में पाकिस्तान सहित 15 देशों की सभ्यताओं के प्रतिनिधि एक साथ जुटे हैं। उल्लेखनीय है कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद यह पहला अवसर है, जब पाकिस्तान का कोई मंत्री किसी एससीओ कार्यक्रम में शामिल होने के लिए भारत पहुंचा है।

उद्घाटन के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने आयोजन स्थल पर लगाई गई विशेष प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया, जिसमें भारत की सभ्यतागत विरासत और संस्कृति पर आधारित प्रदर्शनी के साथ-साथ महाभारत काल से लेकर 1200 ईस्वी तक के लगभग 2,100 वर्ष पुराने ऐतिहासिक और पुरातात्विक साक्ष्यों तथा भारतीय संस्कृति से जुड़े महत्वपूर्ण व दुर्लभ दस्तावेजों को प्रदर्शित किया गया है। विदेशी अतिथियों का स्वागत करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि दुनिया इस समय उथल-पुथल के दौर से गुजर रही है और जब दुनिया भर में युद्ध व अशांति की चर्चा हो रही है, तब भारत में सभ्यताओं के बीच संवाद हो रहा है। उन्होंने कहा कि ऐसे समय में सांस्कृतिक जुड़ाव और सहयोग से शांति का रास्ता मजबूत हो सकता है तथा सभ्यताओं के बीच संवाद और सांस्कृतिक जुड़ाव ही वैश्विक शांति की सबसे मजबूत गारंटी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि कुछ महीने पहले ही एससीओ ने अपनी स्थापना के 25 वर्ष पूरे किए हैं और बीते ढाई दशकों में संगठन ने सुरक्षा, अर्थव्यवस्था और कनेक्टिविटी के क्षेत्र में आपसी सहयोग को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है। उन्होंने विश्वास जताया कि अब सदस्य देशों के बीच सांस्कृतिक संवाद इन संबंधों को और अधिक प्रगाढ़ बनाएगा, जिससे नए विचार व अवसर पैदा होंगे और दुनिया को एकजुट करने में मदद मिलेगी।

20 से 22 नवंबर तक चलने वाले आयोजन में 15 देशों के प्रतिनिधि शामिल





एससीओ सभ्यता संवाद के दौरान प्रदर्शनी का अवलोकन करते पीएम मोदी।

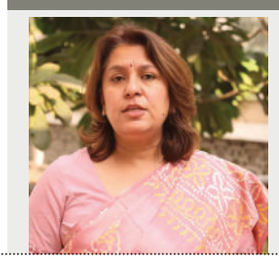
सभ्यताओं के संवाद ने समृद्ध किए विचार

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पुराना किला की ऐतिहासिक महत्ता बताते हुए कहा कि यह भारत की अद्भुत सांस्कृतिक धरोहर है, जिसकी ऐतिहासिक गाथाएं हजारों वर्ष पूर्व महाभारत काल तक जाती हैं। उन्होंने कहा कि साम्राज्यों ने दुनिया के नक्शे जरूर बदले हैं, लेकिन सभ्यताओं के संवाद ने दुनिया के विचारों को बदला और उन्हें समृद्ध किया है, इसलिए एससीओ सभ्यता संवाद केवल एक औपचारिक मंच नहीं है बल्कि यह दुनिया को नई दिशा देने का माध्यम बन सकता है। पीएम मोदी ने कहा कि आज दुनिया में अंतरराष्ट्रीय सहयोग और लोगों के बीच आपसी जुड़ाव की काफी चर्चा होती है, लेकिन यह ऐसी सोच है जिसे हमारे पूर्वजों ने सदियों पहले ही समृद्ध किया था। प्राचीन व्यापारिक संबंधों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि करीब पांच हजार साल पहले सिंधु घाटी की सभ्यता और मेसोपोटामिया के बीच व्यापारिक संबंध थे और बाद में दूसरे व्यापार मार्गों ने इस संपर्क को विस्तार दिया, जिनसे भारत, चीन, मध्य एशिया और यूरेशिया के कई क्षेत्र जुड़े थे।

डिजिटल तकनीक, 'वसुधैव कुटुंबकम' और विरासत संरक्षण पर जोर

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि 21वीं सदी की तकनीक ने दुनिया में सांस्कृतिक जुड़ाव की नई संभावनाएं पैदा की हैं। जिन रास्तों पर कभी हमारे पूर्वजों को महीनों यात्रा करनी पड़ती थी, आज उन्हीं देशों के लोग डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से कुछ ही सेकंड में एक-दूसरे से जुड़ सकते हैं, जिससे ज्ञान साझाकरण, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और अंतरराष्ट्रीय सहयोग पहले से आसान हो गया है और एससीओ देशों को इन नई संभावनाओं का पूरा लाभ उठाना चाहिए। मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2025 में एससीओ सभ्यता संवाद का प्रस्ताव रखा था।

पाकिस्तानी मंत्री मुसादिक मलिक का बयान और कांग्रेस की तीखी आपत्ति



पाकिस्तान के जलवायु परिवर्तन मंत्री मुसादिक मसूद मलिक शुक्रवार को भारत पहुंचे, जहां वे शनिवार और रविवार को आयोजित होने वाले एससीओ सभ्यता संवाद कार्यक्रम में विभिन्न सभ्यताओं के बीच बातचीत पर अपने देश का पक्ष रखेंगे। मलिक ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि इस फोरम के बाद भारत-पाकिस्तान समेत सभी देशों के रिश्ते बेहतर होंगे। दूसरी ओर, पाकिस्तानी मंत्री को बुलाने पर सियासत भी गरमा गई है। कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार के इस फैसले पर कड़ी आपत्ति जताई और सवाल किया कि इस कार्यक्रम में पाकिस्तान को क्यों बुलाया गया। उन्होंने कहा कि एससीओ सभ्यता संवाद में शामिल होने के लिए पाकिस्तानी मंत्री को बुलाना गलत है और उनके स्वागत के लिए रेड कार्पेट बिछाना पहलगाम हमले में मारे गए लोगों के परिवारों के जख्मों पर नमक छिड़कने जैसा है।

इमरान मसूद का अनोखा तर्ज

उनका नाम सिराज है, टीम से बाहर हैं

मृदुभाषी। नई दिल्ली



न्यूजीलैंड के खिलाफ वेलिंगटन टेस्ट की प्लेइंग-11 से तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को बाहर रखने के फैसले पर सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। सहारनपुर से कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने इस चयन को लेकर सवाल खड़े करते हुए कहा कि अच्छे प्रदर्शन के बावजूद सिराज को अंतिम एकादश में जगह नहीं मिली। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि नाम सिराज है, यही क्या कम है और जब अच्छे प्रदर्शन के बावजूद चयन नहीं हो रहा है तो इसके पीछे और क्या वजह हो सकती है। मसूद की इस टिप्पणी पर भारतीय जनता पार्टी ने तीखा पलटवार किया है। भाजपा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस अब क्रिकेट टीम के चयन में भी वोट बैंक की राजनीति कर रही है और खेल को सांप्रदायिक राजनीति से दूर रखा जाना चाहिए। भाजपा प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने कहा कि कांग्रेस क्रिकेट में भी वोट बैंक की राजनीति साधने की कोशिश कर रही है, जबकि खेल को सांप्रदायिक राजनीति से अलग रखा जाना चाहिए।

ऑटो चालक की चमकी किस्मत

15 दिनों की खुदाई में मिला 15 लाख का हीरा

मृदुभाषी। पन्ना



पन्ना की धरती पर कब किसकी किस्मत बदल जाए, इसका अंदाजा नहीं लगाया जा सकता। यहां रोजाना ऑटो चलाकर परिवार का भरण-पोषण करने वाले सोनू रैकवार की किस्मत ऐसी चमकी कि महज 15 दिनों की मेहनत में उन्हें करीब 15 लाख रुपये कीमत का हीरा हाथ लग गया। देवउठनी एकादशी के अवसर पर सोनू रैकवार को रानीपुर क्षेत्र स्थित अपनी उथली खदान से 3.17 कैरेट का हीरा मिला है। बाबूलाल रैकवार के पुत्र सोनू रैकवार के अनुसार, पिछले 10 से 15 दिनों से उन्हें रात में सोते समय लगातार हीरा मिलने के सपने आ रहे थे। सुबह नींद खुलने पर वे सोचते थे कि काश यह सपना हकीकत में बदल जाए। आखिरकार उन्होंने अपने इन सपनों के बारे में घरवालों को बताया, जिस पर परिवार के सदस्यों ने उन्हें पन्ना में हीरे की खदान लगाने की सलाह दी। परिवार की बात मानकर सोनू ने हीरा कार्यालय से पट्टा लिया और पहली बार रानीपुर क्षेत्र में उथली खदान शुरू की।

थिरुपरनकुंड्रम पहाड़ी पर 24 नवंबर को जलेगा दीपम

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु के मदुरै स्थित सुब्रमण्य स्वामी मंदिर प्रशासन को थिरुपरनकुंड्रम पहाड़ी पर प्राचीन पत्थर के स्तंभ 'दीपथून' पर कार्तिगई दीपम जलाने की अनुमति दी है। कोर्ट ने यह इजाजत सिर्फ 24 नवंबर को यानी इस साल के लिए एक बार दी है।

हालांकि, दीप जलाने के लिए केवल मंदिर प्रशासन की सीमित टीम और अधिकृत अधिकारियों को जाने की अनुमति होगी। आम लोगों की एंट्री पर रोक रहेगी। कोर्ट ने मद्रास हाईकोर्ट के फैसले के कुछ हिस्सों पर भी रोक लगाई है। दरअसल, दीपथून पर दीप जलाने को लेकर मंदिर और पहाड़ी के पास स्थित हजरत सुल्तान सिकंदर बदूशा औलिया दरगाह के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा है। दीपथून दरगाह से करीब 50 मीटर दूर है। कई दशकों से मंदिर में कार्तिगई दीपम पहाड़ी की निचली ढलान पर बने दीप मंडपम में जलाया जाता रहा है।

राहुल ने मोदी पर बोला तीखा हमला, नोटबंदी-GST और मोनोपॉली पर घेरा

'तारीफ नहीं मिली तो बुरा मान गए?'

मृदुभाषी। नई दिल्ली



राहुल गांधी ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भाषण पर तीखा हमला बोलते हुए सरकार की आर्थिक नीतियों को कठघरे में खड़ा किया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि नोटबंदी और जीएसटी ने छोटे व्यापारियों को बर्बाद कर दिया, जबकि ईमानदारी से प्रतिस्पर्धा करने वाली बड़ी कंपनियों के लिए भी समान अवसर का मैदान खत्म कर दिया गया।

उन्होंने लिखा कि मोनोपॉली से रोजगार पैदा नहीं होते, बल्कि इससे महंगाई बढ़ती है और बाजार में प्रतिस्पर्धा समाप्त होती है। गुरुवार को फिक्की के कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिए गए संबोधन का जिक्र करते हुए राहुल गांधी ने सवाल उठाया कि सरकार ने कॉर्पोरेट टैक्स 30 प्रतिशत से घटाकर 22 प्रतिशत किया और 12 लाख रुपये तक की सालाना आय को कर मुक्त किया, लेकिन क्या कंपनियों ने कर्मचारियों का वेतन या उनकी संख्या बढ़ाई। उन्होंने तंज कसते हुए लिखा कि तारीफ नहीं मिलने से नाराजगी जताई जा रही है, जबकि हकीकत यह है कि हवाई अड्डे, बंदरगाह, खदानें, जंगल, बिजली, कोयला और सड़कें जैसी संपत्तियां चुनिंदा लोगों को सौंपी गईं और उनसे रोजगार सृजन को लेकर सवाल पूछे जाने चाहिए। राहुल गांधी ने कहा कि मौजूदा नीतियों से उद्योगपतियों, छोटे कारोबारियों, महंगाई से जूझ रहे गरीब-मध्यम वर्ग और बेरोजगार युवाओं में से किसी को भी सराहना करने की वजह नहीं मिली, इसलिए अब बचे हुए समर्थकों से ही तारीफ करवाकर थालियां बजवा लेनी चाहिए। बता दें कि राहुल गांधी बीते कुछ महीनों ने नरेंद्र मोदी पर सीधे हमलावर हैं। वे पहले भी पीएम मोदी को सार्वजनिक स्थान पर आकर उनसे बहस की चुनौती दे चुके हैं। हालांकि भाजपा उनकी चुनौती पर खास जवाब नहीं दे रही है।

भारत में आकर मिसाइल की टेस्टिंग करेगा जापान

नई दिल्ली। भारत और जापान के बीच रक्षा सहयोग में बड़ा कदम उठाया गया है। जापान की सेना अगले साल से अपनी लंबी दूरी की मिसाइलों की टेस्टिंग भारत की फायरिंग रेंज में कर सकेगी। गुरुवार को दोनों देशों के बीच टोक्यो में हुई मंत्रिस्तरीय वार्ता में इस पर सहमति बनी है। जापान खास तौर पर अपनी करीब 1000 किलोमीटर मारक क्षमता वाली टाइप-25 एंटी-शिप मिसाइल और छोटे अटैक ड्रोन को टेस्ट करना चाहता है, लेकिन जापान के पास टेस्टिंग के लिए उतनी रेंज वाली खाली जगह नहीं है। जापान के रक्षा मंत्री शिंजिरो कोइजुमी ने कहा- हम इस बात पर सहमत हुए कि अगले साल जापान की सेल्फ डिफेंस फोर्स पहली बार भारत के फायरिंग रेंज का इस्तेमाल करेगी।

पेंशन से जुड़े राज्य के दो कानून रद्द

यूपी के सरकारी कर्मचारियों को सुप्रीम कोर्ट से राहत



नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के सरकारी कर्मचारियों को पेंशन के मामले में सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। शीर्ष अदालत ने राज्य सरकार के उन दो कानूनों को असंवैधानिक करार देते हुए रद्द कर दिया है, जिनके तहत अस्थायी, दैनिक वेतनभोगी और वर्क-चार्ज कर्मचारियों की शुरुआती सेवा अवधि को पेंशन की गणना में शामिल नहीं किया जा रहा था। जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने शुक्रवार को यह महत्वपूर्ण फैसला सुनाया। कोर्ट ने 'यूपी क्वालिफाइंग सर्विस फॉर पेंशन एंड वैलिडेशन एक्ट, 2021' और 'यूपी एंटाइटलमेंट टू पेंशन एंड वैलिडेशन एक्ट, 2025' को संविधान के खिलाफ घोषित करते हुए निरस्त कर दिया है। इस फैसले से प्रदेश के हजारों अस्थायी, दैनिक वेतनभोगी और वर्क-चार्ज कर्मचारियों को पेंशन लाभ मिलने का रास्ता साफ हो गया है।

ब्लाइंड एशिया कप फाइनल में नया विवाद

भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ मैच खेलने से किया इनकार

मृदुभाषी। नई दिल्ली



भारत और पाकिस्तान के बीच क्रिकेट में एक और विवाद खड़ा हो गया है। बांग्लादेश के ढाका में शुक्रवार को खेले जाने वाले मेंस एशिया कप फॉर द ब्लाइंड का फाइनल बारिश के कारण धुल गया। शुरुआती तौर पर भारत और पाकिस्तान को टूर्नामेंट का संयुक्त विजेता घोषित किया गया, लेकिन इसके बाद वर्ल्ड ब्लाइंड क्रिकेट (डब्ल्यूबीबीसी) के अध्यक्ष और पाकिस्तान ब्लाइंड क्रिकेट काउंसिल के प्रमुख सुल्तान शाह ने पाकिस्तान को विजेता घोषित कर दिया और मैच रेफरी को भी यही फैसला सुनाना पड़ा। इस घटनाक्रम के बाद क्रिकेट एसोसिएशन फॉर द ब्लाइंड इन इंडिया के महासचिव शैलेंद्र ने कहा कि जब तक यह विवाद नहीं सुलझता, तब तक भारतीय टीम आगे पाकिस्तान के साथ कोई मैच नहीं खेलेगी। भारतीय टीम ने इस पूरे फैसले को खेल भावना के खिलाफ करार दिया है।

बर्ड फ्लू को मात देने के लिए भारत ने रचा इतिहास! | **महज 1 से 2 रुपये में मिलेगी दुनिया की पहली स्वदेशी H5N1 वैक्सीन**

भोपाल के वैज्ञानिकों ने बनाई दुनिया की सस्ती वैक्सीन

मृदुभाषी। नई दिल्ली



बर्ड फ्लू जैसी खतरनाक बीमारी से मुर्गियों और पोल्ट्री कारोबार को बचाने के लिए भारत ने ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है।

भोपाल स्थित भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के राष्ट्रीय उच्च सुरक्षा पशु रोग संस्थान (निषाद) के वैज्ञानिकों ने H5N1 बर्ड फ्लू की स्वदेशी वैक्सीन तैयार कर ली है। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार को भोपाल में इस वैक्सीन को राष्ट्र को समर्पित किया। दावा किया गया है कि यह H5N1 वेरिएंट के लिए दुनिया की पहली वैक्सीन है। इस अवसर पर शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल में 300 करोड़ रुपये की लागत से एक नई अत्याधुनिक प्रयोगशाला स्थापित करने की घोषणा भी की। उन्होंने कहा कि पहले इस वैक्सीन को दिल्ली से लॉन्च करने की योजना थी, लेकिन चूंकि इसे तैयार करने वाले वैज्ञानिक भोपाल में हैं, इसलिए उन्होंने तय किया कि इसे यहीं से देश को समर्पित किया जाएगा। केंद्रीय मंत्री ने पशुपालन को ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ बताते हुए कहा कि पशु किसानों के लिए चलते-फिरते एटीएम की तरह हैं, जो खेती के साथ नियमित आमदनी का जरिया बनते हैं। उन्होंने बताया कि देश की जीडीपी में पशुपालन का योगदान करीब 14 प्रतिशत और पोल्ट्री क्षेत्र का योगदान एक प्रतिशत है। आंकड़ों के अनुसार पशुओं की विभिन्न बीमारियों से देश को हर साल करीब 56 हजार करोड़ रुपये का नुकसान होता है, जिसमें खुरपका-मुंहपका से 22 हजार करोड़, लंपी वायरस से 20 हजार करोड़, ब्रुसेलोसिस से 9,212 करोड़ और पीपीआर बीमारी से 4,683 करोड़ रुपये का नुकसान शामिल है।

महज 1 से 2 रुपये होगी एक खुराक, छोटे मुर्गीपालकों को मिलेगी बड़ी राहत: केंद्रीय मंत्री ने बताया कि इस स्वदेशी वैक्सीन की एक खुराक की कीमत महज एक से दो रुपये होगी। कम कीमत पर उपलब्ध होने के कारण यह टीका छोटे मुर्गीपालकों के लिए बेहद उपयोगी साबित होगा, जिससे वे आसानी से अपने मुर्गियों के झुंड को इस जानलेवा संक्रमण से सुरक्षित रख सकेंगे। उन्होंने कहा कि बर्ड फ्लू से न केवल पोल्ट्री कारोबार को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है, बल्कि संक्रमण के अन्य पशुओं और मनुष्यों तक फैलने का खतरा भी बना रहता है। स्वदेशी वैक्सीन इस खतरे को रोकने में निर्णायक भूमिका निभाएगी।

2006 से अब तक 500 से ज्यादा प्रकोप, लाखों मुर्गियों की हो चुकी है मौत

बर्ड फ्लू के पुराने प्रकोपों का जिक्र करते हुए शिवराज सिंह चौहान ने बताया कि भारत में इसका पहला मामला वर्ष 2006 में महाराष्ट्र के नवापुर में सामने आया था, जब करीब 10 लाख मुर्गियां मरी थीं और संक्रमण रोकने के लिए लाखों मुर्गियों को मारकर दफनाना पड़ा था। इसके बाद वर्ष 2021 में करीब नौ लाख और इस वर्ष भी दो लाख मुर्गियों की मौत हुई है। वर्ष 2006 से अब तक देश में बर्ड फ्लू के 500 से अधिक प्रकोप सामने आ चुके हैं।

सुदामा नगर में नकाबपोशों ने की वारदात

सूने घर से ताला काटकर 25 लाख के जेवर ले उड़े बदमाश

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

इंदौर । शहर के अन्नपूर्णा थाना क्षेत्र अंतर्गत सुदामा नगर के ए-सेक्टर में शुक्रवार तड़के तीन नकाबपोश बदमाशों ने एक सूने मकान को निशाना बनाते हुए करीब 25 लाख रुपए मूल्य के हीरे और सोने के आभूषणों पर हाथ साफ कर दिया। बाइक पर सवार होकर आए इन शातिर चोरों ने बड़ी ही सफाई से मुख्य दरवाजे का ताला काटा और घर के भीतर प्रवेश कर बेडरूम की अलमारी का लॉकर तोड़कर कीमती जेवर समेट लिए। हालांकि, पड़ोसियों की सतर्कता और हलचल बढ़ने के कारण बदमाश मौके से भागने को मजबूर हो गए। पूरी वारदात आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है, जिसके आधार पर पुलिस ने आरोपियों की तलाश तेज कर दी है।

जानकारी के अनुसार, ए-सेक्टर निवासी 60 वर्षीय इंदु प्रकाश जैन गुरुवार को अपने



मकान पर ताला लगाकर अपनी बहन आशा के साथ राऊ में रहने वाले भाई मोनू के घर गई थीं। रात अधिक होने के कारण उन्होंने वहीं रुकने का निर्णय लिया। घर खाली होने की भनक लगते ही शुक्रवार तड़के करीब 4:20 बजे तीन बदमाश बाइक से वहां पहुंचे। अपनी पहचान छिपाने के उद्देश्य से तीनों ने चेहरों पर रुमाल बांध रखे थे। बदमाशों ने कटर या किसी औजार से मुख्य द्वार का ताला काटा और अंदर घुसकर बेडरूम की अलमारी का लॉकर तोड़ डाला। वे लॉकर में रखे हीरे का हार सेट, हीरे के टॉप्स, सोने की चेन, अंगूठियां, चूड़ियां और ब्रेसलेट सहित अन्य आभूषण समेट ले गए।

अलमारी टूटी हुई और लॉकर पूरी तरह खाली मिला

चोरी के दौरान बदमाश टॉर्च की रोशनी में घर के अन्य हिस्सों की तलाशी ले रहे थे। इसी बीच पड़ोस में रहने वाले प्रकाश जैन और पीयूष जैन के परिवार को घर के भीतर कुछ संदिग्ध गतिविधियां महसूस हुईं। प्रकाश जैन की पत्नी सपना ने जब खिड़की से देखा, तो कुछ लोग टॉर्च की रोशनी में किचन खंगालते नजर आए। उन्होंने तुरंत परिवार के सदस्यों और आसपास के रहवासियों को जगाया। मोहल्ले में लोगों की हलचल बढ़ती देख तीनों बदमाश घबराकर मौके से फरार हो गए।पड़ोसियों ने सुबह करीब 5 बजे फोन कर इंदु जैन को घटना की सूचना दी। जब वे घर पहुंचीं तो अलमारी टूटी हुई और लॉकर पूरी तरह खाली मिला। सूचना मिलते ही अन्नपूर्णा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का मुआयना किया।

टीआई हितगोपाल यादव ने बताया कि पीड़िता की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस को जांच के दौरान तीनों संदिग्धों के महत्वपूर्ण सीसीटीवी फुटेज मिले हैं, जिनकी मदद से उनके आने-जाने के रास्तों और पहचान का पता भी लगाया जा रहा है।

कृष्णबाग कॉलोनी के रहवासियों को कोर्ट से मिली राहत

इंदौर। एमआर-10 स्थित कृष्णबाग कॉलोनी में अवैध कब्जे हटाने को लेकर अब प्रशासन की बड़ी कार्रवाई का इंतजार है। न्याय नगर संस्था की बेशकीमती जमीन पर बसी इस कॉलोनी के रहवासियों को प्रशासन द्वारा पहले ही बेदखली के नोटिस जारी किए जा चुके हैं। उच्च न्यायालय ने भी प्रशासन को यहां से अतिक्रमण हटाने के लिए 30 दिनों की समय-सीमा तय की है। ऐसे में यदि रहवासी स्वेच्छा से अपने कब्जे नहीं हटाते हैं, तो प्रशासन कभी भी सख्त रिमूवल कार्रवाई को अंजाम दे सकता है। शुक्रवार को इस संबंध में प्रशासन के अगले कदम पर सभी की निगाहें टिकी हुई हैं। वर्तमान में कॉलोनी के 71 मकानों में 80 से अधिक परिवार निवास कर रहे हैं। प्रशासन का नोटिस मिलने के बाद से ही कॉलोनी में हड़कंप मचा हुआ है। जहां एक ओर कुछ परिवारों ने भविष्य की अनिश्चितता को देखते हुए दूसरी जगह रहने के विकल्प तलाशना शुरू कर दिए हैं,रहवासियों की मांग है कि उन्हें एक और मौका दिया जाए। गौरतलब है कि कृष्णबाग कॉलोनी में अतिक्रमण हटाने की यह कार्रवाई पहले 16 और 17 नवंबर को प्रस्तावित थी, लेकिन शहर में आयोजित एक बड़े म्यूजिक कंसर्ट में पुलिस बल की व्यस्तता के कारण इसे टालना पड़ा था।

300 साल पुरानी बावड़ी और 125 साल पुराने कुएं से शुरू हुई सिंचाई

50 से अधिक गाड़ी गाद निकाली

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर



इंदौर। नगर निगम द्वारा शहर की प्राचीन जल संरचनाओं को सहेजने के साथ-साथ अब उनके पानी का सदुपयोग भी शुरू कर दिया गया है। महापौर पुष्यमित्र भार्गव और निगम कमिश्नर क्षितिज सिंघल के निर्देश पर चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत जोन-3 के सदर बाजार (वार्ड-58) स्थित करीब 300 साल पुरानी ऐतिहासिक बावड़ी का जीर्णोद्धार किया गया है। लंबे समय से उपेक्षित इस बावड़ी से निगम की टीम ने 50 से अधिक गाड़ी गाद निकाली और धंस रहे हिस्सों की भी मजबूती से मरम्मत कराई।

जोनल अधिकारी राज ठाकुर के अनुसार, गर्मी के मौसम में शुरू हुए इस जीर्णोद्धार कार्य को पूरा करने में 3 से 4 महीने का समय लगा। सफाई और मरम्मत के बाद बावड़ी के प्राकृतिक जल स्रोत पुनः सक्रिय हो गए और इसमें भरपूर पानी की आवक शुरू हो गई है। जलकार्य प्रभारी अभिषेक शर्मा की योजना के तहत इस पानी के व्यवस्थित उपयोग के लिए बावड़ी पर हाइड्रेंट स्थापित किया गया है। अब इस पानी से आसपास के उद्यानों, ग्रीन बेल्ट और सड़क के मीडियन में लगे पौधों की नियमित सिंचाई की जा रही है।

ऐतिहासिक जल धरोहरों को नया जीवन मिला

इसी कड़ी में नगर निगम ने जोन-3 के अंतर्गत ही डीआरपी लाइन स्थित महादेव मंदिर के पास 125 साल से अधिक पुराने एक कुएं का भी सफलतापूर्वक जीर्णोद्धार किया है। गहन सफाई और मरम्मत के बाद इस कुएं में भी स्वच्छ जल की आवक प्रारंभ हो गई है। यहां भी नया हाइड्रेंट लगाकर सार्वजनिक और हरित क्षेत्रों की सिंचाई के लिए पानी की सप्लाई शुरू कर दी गई है।

नगर निगम की इस दूरदर्शी पहल से न केवल शहर की ऐतिहासिक जल धरोहरों को नया जीवन मिला है, बल्कि स्थानीय स्तर पर जल का एक सशक्त वैकल्पिक स्रोत भी तैयार हुआ है। इससे शहर की हरियाली और उद्यानों के रखरखाव के लिए नर्मदा के बहुमूल्य पेयजल पर निर्भरता कम होगी और जल संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा।

नशे के सौदागरों पर पुलिस का शिकंजाः

पांच कार्रवाइयों में 10 हजार रु. के इनामी सप्लायर समेत 6 गिरफ्तार

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

इंदौर । अवैध मादक पदार्थों की तस्करी पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस ने गुरुवार और शुक्रवार को पांच अलग-अलग स्थानों पर बड़ी कार्रवाइयां करते हुए कुल 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इन कार्रवाइयों में चार आरोपियों को सीधे ब्राउन शुगर की खेप के साथ दबोचा गया, जबकि क्राइम ब्रांच ने दो पुराने एनडीपीएस मामलों की कड़ियां जोड़ते हुए सप्लाई नेटवर्क से जुड़े दो मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से कुल 51.52 ग्राम ब्राउन शुगर, तस्करी में प्रयुक्त एक मोटरसाइकिल और मोबाइल फोन जब्त किए हैं।

पहली कार्रवाई में जूनी इंदौर पुलिस ने 19 नवंबर को माणिकबाग ब्रिज के पास रेलवे पटरी किनारे चेकिंग के दौरान पंचशील नगर निवासी आशीष सैनी (35) को 17 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ पकड़ा। दूसरी ओर, राजेंद्र नगर पुलिस ने केसरबाग रोड पर चमेली देवी स्कूल के पास संदिग्ध बाइक सवार राऊ निवासी हेमंत चौधरी (31) और किशनगंज निवासी मनोज सिंह ठाकुर (40) का पीछा कर प्रतीक सेतु के नीचे घेराबंदी कर दबोचा। इनके पास से 22 ग्राम ब्राउन शुगर, दो मोबाइल और एक टीवीएस बाइक जब्त की गई। तीसरी कार्रवाई में हीरानगर पुलिस ने शक्करखेड़ी-भानगढ़ क्षेत्र से बाणगंगा निवासी आदतन अपराधी रवि मिश्रा (27) को 12.52 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ गिरफ्तार किया, जिस पर पूर्व में भी कई गंभीर मामले दर्ज हैं।

सप्लाई चेन का खुलासा

इसके अतिरिक्त, क्राइम ब्रांच ने 13 नवंबर को पोलो ग्राउंड क्षेत्र से 13.08 ग्राम एमडी ड्रग्स के साथ पकड़े गए आरोपी के मामले में बैकवर्ड ट्रेसिंग करते हुए राजस्थान के झालावाड़ निवासी नवीन नागर (19) को गिरफ्तार कर सप्लाई चेन का खुलासा किया, वहीं, एक अन्य महत्वपूर्ण सफलता में क्राइम ब्रांच ने 2 मई को पत्थर गोदाम रोड पर 159 ग्राम एमडी ड्रग्स और 990 ग्राम डोडाचूरा जब्ती के मामले में फरार चल रहे 10 हजार रुपए के इनामी सप्लायर भईयू उर्फ शमशेर (निवासी सुखेड़ा, रतलाम) को भी धर दबोचा है। पुलिस अब सभी आरोपियों से सघन पूछताछ कर पूरे नेटवर्क की जानकारी जुटा रही है।

इमर्जेंसी लाइट हटवाकर किया 3,500 का जुर्माना

इंदौर। नगरीय इंदौर द्वारा यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। साथ ही वाहन चालकों को नियमों का पालन करने के लिए जागरूक भी किया जा रहा है। इसी क्रम में तेजाजी नगर चौराहा पर यातायात व्यवस्था के दौरान यातायात निरीक्षक श्री ब्रजराज अजनार ने एक थार वाहन को रुकवाकर चेक किया।

सड़क पर नागरिकों की तीसरी आँख बना ट्रैफिक साथी ऐप

राजकुमार जैन मृदुभाषी



इंदौर। बाजार जाने से पहले मालूम हो जाए कि गाड़ी कहां खड़ी करनी है और किस रास्ते पर जाम है, तो सफर की आधी झंझट घर बैठे दूर हो सकती है। इंदौर ट्रैफिक साथी ऐप यह जानकारी तो देता ही है, अब सड़क पर गलत दिशा से आते वाहन या चौराहे पर रास्ता रोककर खड़ी गाड़ी की सूचना भी सीधे यातायात पुलिस तक पहुंचाता है। नवंबर में जोड़ी गई ह्यजन-सूचनाह्न सुविधा ने नागरिकों के मोबाइल को सड़क की तीसरी आँख की भूमिका दी है।

इंदौर पुलिस कमिश्नरेट की इस पहल से उम्मीद है कि चालकों के रोजमर्रा के व्यवहार में फर्क आएगा। जिस चौराहे पर पुलिसकर्मी दिखाई नहीं देता, वहां भी लाल बत्ती पार करने से पहले चालक ठिठक सकता है। उसे अंदाजा होगा कि पास खड़ा कोई नागरिक उसके वाहन की तस्वीर पुलिस तक भेज सकता है। इसी तरह बाजार में निकलने से पहले ऐप पर निर्धारित पार्किंग देख लेने से चालक को जगह तलाशने के लिए चक्कर कम लगाने पड़ेंगे और पीछे आ रहे वाहनों का रास्ता भी खुला रहेगा।

अपने फोन में ऐसे डाउनलोड करें

एंड्रॉइड फोन में गूगल प्ले स्टोर और आईफोन में ऐप स्टोर खोलें। खोज वाले खाने में अंग्रेजी में इंदौर ट्रेफिक साथी लिखें। ऐप चुनकर एंड्रॉइड पर या आईफोन पर गेट दबाएं।

डाउनलोड पूरा होने पर ओपन दबाकर ऐप खोल लें। यातायात पुलिस का आधिकारिक क्यूआर कोड उपलब्ध हो तो फोन का कैमरा उसकी ओर करें। स्क्रीन पर दिखने वाले लिंक को छूकर भी ऐप के डाउनलोड पेज तक पहुंच सकते हैं।

तीन चरणों में पुलिस तक पहुंचाएं सूचना

1. जन-सूचना विकल्प चुनें। ऐप खोलकर सिविलन रिपोर्ट पर जाएं। यहां लाल बत्ती पार करने, गलत दिशा में चलने, वाहन चलाते समय मोबाइल पर बात करने या नो-पार्किंग में गाड़ी खड़ी करने जैसी घटना की सूचना दी जा सकती है।

2. स्पष्ट फोटो या वीडियो जोड़ें। उसमें वाहन का नंबर पढ़ने योग्य हो और घटना समझ में आए। मसलन, नो-पार्किंग में खड़ी गाड़ी के साथ वहां लगा संकेतक भी तस्वीर में दिखे तो पुलिस को स्थिति समझने में आसानी होगी।

3. जगह और विवरण लिखकर भेजें। सड़क या चौराहे का नाम दर्ज करें और एक वाक्य में बताएं कि आपने क्या देखा। पुलिस फोटो या वीडियो की जांच के बाद कार्रवाई करती है।

15 हजार से अधिक डाउनलोड, 286 शिकायतों पर जांच

डीसीपी राजेश त्रिपाठी ने बताया कि ऐप को 15 हजार से अधिक बार डाउनलोड किया जा चुका है। अब तक 1,940 पंजीकृत नागरिक हो चुके हैं।

19 नवंबर को 286 शिकायतें प्राप्त हुई और 178 के विरुद्ध चालानी कार्यवाही दर्ज हुई हैं। आदतन चालान राशि जमा नहीं करने वालों से घर जाकर वसूली की जायेगी।

एसीपी हिंदूसिंह मुवेल सहित अन्य पुलिस अधिकारी, कर्मचारी और यातायात प्रहरी प्रमुख चौराहों पर नागरिकों को ऐप इस्तेमाल करने की अपील कर रहे हैं। जाम में फंसने पर हम सब चाहते हैं कि चौराहा खुला रहे। फिर कभी उसी चौराहे पर बस दो मिनट कहकर अपनी गाड़ी खड़ी कर देते हैं।

'ट्रैफिक साथी' की असली परीक्षा इंदौर की इसी आदत के सामने होगी। शुरूआत शायद चालान की आशंका से हो, लेकिन बदलाव उस दिन दिखेगा जब चालक खाली चौराहे पर भी हरी बत्ती का इंतजार करेगा।

पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह ने नागरिकों से अपील की है कि वे फोटो लेने के लिए अपनी सुरक्षा जोखिम में न डालें। वाहन चला रहे हों तो मोबाइल इस्तेमाल न करें। सुरक्षित जगह से सूचना भेजें और संबंधित चालक से बहस करने से बचें।

द्वारकापुरी में 12वीं के छात्र का शव फंदे पर लटका मिला, परिजनों ने दोस्तों पर लगाया हत्या का आरोप

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

इंदौर। शहर के द्वारकापुरी थाना क्षेत्र में गुरुवार रात 12वीं कक्षा के एक छात्र का शव संदिग्ध अवस्था में फांसी के फंदे पर लटका मिला है। घटना के बाद से इलाके में सनसनी फैल गई है। मृतक के परिजनों ने हर्ष के दोस्तों पर मारपीट कर हत्या करने और मामले को आत्महत्या का रूप देने के लिए शव फंदे पर लटकाने का गंभीर आरोप लगाया है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा और मामले की जांच शुरू कर दी है।

मृतक की पहचान 22 वर्षीय हर्ष टंडन के रूप में हुई है। वह मूल रूप से पिगडंबर का रहने वाला था और द्वारकापुरी में अपनी नानी के घर रहकर एक निजी स्कूल से 12वीं की पढ़ाई कर रहा था। गुरुवार रात हर्ष का एक दोस्त उसे मोबाइल देने कमरे पर पहुंचा था। दरवाजा खोलने पर हर्ष का शव पंखे से लटका मिला, जिसके बाद उसने तुरंत परिजनों को जानकारी दी। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे पिता नटवर टंडन ने हालात देखकर हत्या की आशंका जताई। उनका आरोप है कि रात में हर्ष के दोस्त उसके कमरे में ही थे, जहां मारपीट हुई और हर्ष के शरीर पर चोट के निशान भी दिखे। पिता के अनुसार, दोस्तों ने मारपीट कर उसकी हत्या की और इसे खुदकुशी दिखाने के लिए शव फंदे पर लटका दिया। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

नगर निगम की खाली पार्किंग पर हो रही अवैध वसूली

इंदौर। जवाहर मार्ग पर मालगंज चौराहे के पास नगर निगम की खाली पड़ी पार्किंग पर वसूलीबाजों ने कब्जा कर लिया है। नगर निगम ने न तो पार्किंग आवंटित की और न किसी को ठेका दिया, लेकिन वाहन चालकों से पार्किंग शुल्क लिया जा रहा है।

कई महीनों से यह सिलसिला जारी है। अवैध वसूली करने वालों ने इस पार्किंग के सामने जंगमपुरा के कोने की सड़क पर भी पार्किंग के बदले वसूली शुरू कर दी है। बाकायदा वसूली करने वाले कर्मचारी तैनात कर दिए हैं। कार वालों को निशाना बनाया जा रहा है। एक घंटा कार पार्क करने के लिए 100 रुपये लिए जा रहे हैं। बीते दिनों में क्षेत्रीय रहवासियों ने भी जनप्रतिनिधियों को पार्किंग पर कब्जे की शिकायत की थी।

महू-दानापुर और उधना-रक्सौल के बीच चलेंगी वन-वे स्पेशल ट्रेनें

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

इंदौर। पश्चिम रेलवे द्वारा शीतकालीन त्योहारों के दौरान बढ़ती यात्रा मांग को ध्यान में रखते हुए रतलाम मंडल से होकर विशेष किराये पर डा. अंबेडकर नगर (महू)-दानापुर एवं उधना-रक्सौल के मध्य वन-वे स्पेशल ट्रेनों का परिचालन किया जाएगा।

पश्चिम के अनुसार डॉ. अंबेडकर नगर-दानापुर स्पेशल शुक्रवार को महू से शाम छह बजे प्रस्थान कर रतलाम मंडल के इंदौर, फतेहाबाद, चंद्रावतीगंज, उज्जैन एवं मक्सी होते हुए अगले दिन 08.45 बजे दानापुर पहुंचेगी।

इस ट्रेन में इंदौर, फतेहाबाद, उज्जैन, मक्सी, संत हिरदाराम नगर, विदिशा, बीना, सागर दमोह, कटनी मुड़वारा, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, मिर्जापुर, पं. दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन, बक्सर एवं आरा स्टेशनों पर ठहराव रहेगा। इस ट्रेन में स्लीपर श्रेणी तथा सामान्य द्वितीय श्रेणी के कोच रहेंगे।



जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि भवन स्वामी द्वारा संपत्ति कर में नामांतरण आवेदन प्रस्तुत किया गया है आवेदक **श्री संजय कुमार माणिकलाल मूंदड़ा** पता **1140-सी, स्कीम नं. 44, खातीवाला टैंक, इन्दौर** पिन **1001156221**, झोन क्र. 12 वार्ड क्र.66 । वसीयत पत्र के अनुसार इस जाहिर सूचना प्रकाशन **17.10.2026** से 15 दिवस की समयावधि के अंतर्गत किसी भी वित्त संस्था, बैंक, निकाय व्यक्ति को आपत्ति हो तो झोन क्रमांक 12 के सहायक राजस्व अधिकारी के संमुख उपस्थित होकर मय दस्तावेज के अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। समयावधि पश्चात आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

सहायक राजस्व अधिकारी, झोन क्रमांक 12 नगर पालिका निगम इंदौर

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि भवन स्वामी द्वारा संपत्ति कर में नामांतरण आवेदन प्रस्तुत किया गया है आवेदक **श्रीमती फेहमीदा शाजापुरवाला पतिश्री कुतबुद्दीन शाजापुरवाला** पता **1148-49, खातीवाला टैंक 303, इन्दौर** पिन **1001115543**, झोन क्र. 12 वार्ड क्र.66 । वसीयत पत्र के अनुसार इस जाहिर सूचना प्रकाशन **17.10.2026** से 15 दिवस की समयावधि के अंतर्गत किसी भी वित्त संस्था, बैंक, निकाय व्यक्ति को आपत्ति हो तो झोन क्रमांक 12 के सहायक राजस्व अधिकारी के संमुख उपस्थित होकर मय दस्तावेज के अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। समयावधि पश्चात आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

सहायक राजस्व अधिकारी, झोन क्रमांक 12 नगर पालिका निगम इंदौर

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि भवन स्वामी द्वारा संपत्ति कर में विक्रय पत्र के आधार पर नामांतरण आवेदन प्रस्तुत किया गया है। आवेदक **श्री किशोर कुमार पिता स्व. श्री शंभूदयाल यादव** पिन **1001041547** झोन क्र. 08 वार्ड 37। **पता 28-बी, पुष्प विहार कॉलोनी, एक्स.-पार्ट-1, इंदौर** इस जाहिर सूचना प्रकाशन **21.11.2026** से 15 दिवस की समयावधि के अंतर्गत किसी भी वित्त संस्था, बैंक, निकाय व्यक्ति को आपत्ति हो तो झोन क्रमांक 08 के सहायक राजस्व अधिकारी के संमुख उपस्थित होकर मय दस्तावेज के अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। समयावधि पश्चात आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

सहायक राजस्व अधिकारी, शहीद चन्द्रशेखर आजाद झोन क्रमांक 08 नगर पालिका निगम इंदौर

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि भवन स्वामी द्वारा संपत्ति कर में नामांतरण आवेदन प्रस्तुत किया गया है आवेदक/क्रेता **श्रीमती आबेदा बी पतिश्री शेख नवाब मेहमूद** विक्रेता/पूर्व नाम **श्री नदीम खान**, पता **177-ए, पार्श्वकुंज कॉलोनी, अहमद नगर, खजराना, इलियास कॉलोनी, इन्दौर** पिन नं. **2000172231**, झोन क्र. 10 वार्ड क्र. 39 । इस जाहिर सूचना प्रकाशन **21.11.2026** से 15 दिवस की समयावधि के अंतर्गत किसी भी वित्त संस्था, बैंक, निकाय व्यक्ति को आपत्ति हो तो झोन क्रमांक 10 के सहायक राजस्व अधिकारी के संमुख उपस्थित होकर मय दस्तावेज के अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। समयावधि पश्चात आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

सहायक राजस्व अधिकारी, झोन क्रमांक 10 नगर पालिका निगम इंदौर

जाहिर सूचना

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/क्रेता **श्रीमती प्रीतिबाला चौहान पतिश्री राहुल चौहान** द्वारा रजिस्टर्ड विक्रय पत्र प्रस्तुत का सम्पत्ति का **खाता क्रमांक 1001122072** पता **प्र.क्र. 102, सोनल अपार्टमेंट, भूखण्ड क्र. 20, 21, अग्रवाल नगर, इंदौर** के नाम पर नामांतरण चाहा गया है। निगम रिकार्ड में दर्ज नाम **श्री आशीष पिताश्री डी. के. शर्मा**। इस जाहिर सूचना प्रकाशन दिनांक **21.11.2026** से 15 दिवस की समयावधि के अंतर्गत किसी भी वित्तीय संस्था, बैंक, निकाय, व्यक्ति को आपत्ति हो तो वह झोन क्रमांक 18 के राजस्व विभाग में सहायक राजस्व अधिकारी के समक्षमय दस्तावेज के अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। अवधि पश्चात व बिना लेखी प्रमाण आपत्ति स्वीकार नही की जावेगी।

सहायक राजस्व अधिकारी छत्रपति शिवाजी (कृषि विहार) झोन क्रमांक 18 नगर निगम इंदौर

जाहिर सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/क्रेता **श्रीमती शैफाली नागर पतिश्री घनश्याम नागर** विक्रेता **श्री राजू कुवाल पिताश्री नंदलाल कुवाल** झोन क्र. 6 राजस्व विभाग पर आवेदन के साथ रजिस्ट्री वसीयतनामा, वारिस नाते, दान पत्र अनुसार प्रस्तुत कर **पिन नं. 1000936255** पता **76-ए, वीणा नगर, इंदौर** पर नामांतरण चाहा गया है। इस जाहिर सूचना प्रकाशन के दिनांक **21.11.2026** से 15 दिवस की अवधि में किसी भी व्यक्ति बैंक संस्था व अन्य को उक्त संपत्ति के नामांतरण पर आपत्ति हो **तो जोन क्र. 6** के राजस्व विभाग में सहायक राजस्व अधिकारी के समक्ष दस्तावेज के अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अवधि पश्चात वह बिना लेखी प्रमाण प्रस्तुत आपत्ति स्वीकार नहीं की जावेगी।

सहायक राजस्व अधिकारी जोन क्रमांक 6, इ.न. पा. नि. इंदौर

जाहिर सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/क्रेता **श्रीमती बॉबी पतिश्री शुभम कोष्टा** विक्रेता **राजकुमार कुंदनलाल जैन झोन क्र. 5** राजस्व विभाग पर आवेदन के साथ रजिस्ट्री वसीयतनामा, वारिस नाते, दान पत्र अनुसार प्रस्तुत कर **सर्विस /पिन नंबर 1001276365** पता **1, प्लेन, 205, धनलक्ष्मी अपार्टमेंट, परदेशीपुरा इंदौर** पर नामांतरण चाहा गया है। इस जाहिर सूचना प्रकाशन के दिनांक **21.09.2026** से सात दिवस की अवधि में किसी भी व्यक्ति बैंक संस्था व अन्य को उक्त संपत्ति के नामांतरण पर आपत्ति हो तो जोन क्रमांक 5 के राजस्व विभाग में सहायक राजस्व अधिकारी के समक्ष दस्तावेज के अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अवधि पश्चात वह बिना लेखी प्रमाण प्रस्तुत आपत्ति स्वीकार नहीं की जावेगी।

सहायक राजस्व अधिकारी जोन क्रमांक 5, इ.न. पा. नि. इंदौर

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि भवन स्वामी द्वारा संपत्ति कर में नामांतरण आवेदन प्रस्तुत किया गया है आवेदक/क्रेता **श्री इन्द्रजीतसिंह पिता श्री गुरुकृपाल सिंह, श्रीमती महिन्दर कौर पति स्व. श्री करतारसिंह** विक्रेता **श्री रोहित पटेल**, पता **175, तिलक नगर, इन्दौर** पिन नं. **1001071205**, झोन क्र. 10 वार्ड क्र. 49 । इस जाहिर सूचना प्रकाशन **21.11.2026** से 15 दिवस की समयावधि के अंतर्गत किसी भी वित्त संस्था, बैंक, निकाय व्यक्ति को आपत्ति हो तो झोन क्रमांक 10 के सहायक राजस्व अधिकारी के संमुख उपस्थित होकर मय दस्तावेज के अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। समयावधि पश्चात आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

सहायक राजस्व अधिकारी, झोन क्रमांक 10 नगर पालिका निगम इंदौर

भोपाल मास्टर प्लान-2047 की सुनवाई में पांच गांवों की निजी जमीन डूब क्षेत्र से बाहर करने की मांग, सांसद ने दिया समर्थन

मृदुभाषी। भोपाल



भोपाल मास्टर प्लान-2047 की सुनवाई के पांचवें दिन शुक्रवार को पांच गांवों की निजी जमीन को प्रस्तावित डूब क्षेत्र से बाहर करने की मांग जोरशोर से उठी। लाहरपुर, बाग मुगालिया, बाग सेवनिया, पिपलिया पेंदे खां और बरखेड़ा पठानी के किसानों व रहवासियों ने कहा कि बिना अधिग्रहण और मुआवजे के उनकी जमीन को डूब क्षेत्र में शामिल किया जा रहा है। सांसद आलोक शर्मा ने भी इन गांवों के रहवासियों की मांग का समर्थन करते हुए कहा कि जब निजी जमीन का अधिग्रहण नहीं हुआ और जमीन मालिकों को मुआवजा नहीं मिला, तो उसे डूब क्षेत्र में रखना उचित नहीं है तथा भोपाल के नागरिकों के साथ अन्याय बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। आलोक शर्मा ने कहा कि लाहरपुर और आसपास के क्षेत्रों में अब बड़े पैमाने पर आवासीय कॉलोनियां विकसित हो चुकी हैं, जिससे सिंचाई की जरूरत काफी कम रह गई है। उन्होंने बताया कि बांध से प्रभावित करीब 61 एकड़ जमीन में अधिकांश सरकारी है, इसलिए बिना अधिग्रहण वाली निजी जमीन को डूब क्षेत्र से बाहर रखा जाना चाहिए। सुनवाई के दौरान मिसरोद में प्रस्तावित 24 मीटर चौड़ी सड़क के किनारे व्यावसायिक मिश्रित उपयोग वाले कॉम्प्लेक्स के निर्माण पर भी आपत्ति दर्ज की गई। आपत्तिकर्ता अजय पाटीदार ने कहा कि इलाके में घनी आबादी और बढ़ते यातायात के बीच 24 मीटर की सड़क पर बड़े व्यावसायिक प्रतिष्ठानों की अनुमति से ट्रैफिक व सुरक्षा की समस्याएं बढ़ेंगी, इसलिए इन्हें 45 या 60 मीटर चौड़ी प्रस्तावित सड़कों के किनारे विकसित किया जाना चाहिए। पांचवें दिन की सुनवाई में कुल 1,209 आपत्तिकर्ताओं को बुलाया गया था, जिनमें से 630 लोग पहुंचे और अपनी आपत्तियां व सुझाव दर्ज कराए। खानूगांव, समरधा, सतगढ़ी, नरैला संकल, पिपलिया जाहिर पीर और मिंडोरा सहित अन्य क्षेत्रों के रहवासी भी सुनवाई में शामिल हुए। नगर तथा ग्राम निवेश के संयुक्त संचालक नीरज आनंद लिखार के अनुसार, अवकाश के चलते शनिवार और रविवार को सुनवाई बंद रहेगी और सोमवार को फिर प्रक्रिया शुरू होगी, जिसके लिए करीब एक हजार आपत्तिकर्ताओं को बुलाया गया है।

एमपी के छात्रों को हर साल मिलेगी केंद्र से छात्रवृत्ति

भोपाल। मध्यप्रदेश में 12वीं की परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों के लिए केंद्र सरकार की छात्रवृत्ति पाने का रास्ता खुल गया है। हालांकि, सिर्फ 80 परसेंटाइल से अधिक अंक हासिल कर लेने से छात्रवृत्ति पक्की नहीं होगी।

इसके लिए कॉलेज में नियमित प्रवेश, जरूरी दस्तावेज और मेरिट सूची में जगह बनाना भी अनिवार्य होगा। केंद्र सरकार की कॉलेज और विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के लिए केंद्रीय क्षेत्र छात्रवृत्ति योजना के तहत नए आवेदन और नवीनीकरण की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। माध्यमिक शिक्षा मंडल की हायर सेकंडरी परीक्षा सत्र 2025-26 में 80 परसेंटाइल से अधिक अंक हासिल करने वाले विद्यार्थी इसके लिए आवेदन कर सकते हैं। आवेदन राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन करना होगा। इस योजना में मध्यप्रदेश के विद्यार्थियों के लिए हर साल 4,299 छात्रवृत्तियों का कोटा तय किया गया है। इसमें आधी छात्रवृत्तियां छात्राओं और आधी छात्रों के लिए निर्धारित हैं। यानी चयन में दोनों को समान हिस्सेदारी मिलेगी। संकाय के आधार पर भी छात्रवृत्तियों का बंटवारा होगा। विज्ञान और कला संकाय के विद्यार्थियों को 3-3 हिस्से, जबकि वाणिज्य संकाय के विद्यार्थियों को एक हिस्सा मिलेगा। इसके अलावा अनुसूचित जाति के लिए 15 प्रतिशत, अनुसूचित जनजाति के लिए 7.5 प्रतिशत, अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए 27 प्रतिशत और दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए 5 प्रतिशत आरक्षण निर्धारित है। योजना का लाभ उन्हीं विद्यार्थियों को मिलेगा, जिन्होंने 2025-26 की हायर सेकंडरी परीक्षा में 80 परसेंटाइल से अधिक अंक प्राप्त किए हैं।

स्ट्रेचर पर शव लेकर सीएम हाउस की ओर निकले परिजन, शनिवार तक का अल्टीमेटम

जेल में छात्र की मौत के बाद भोपाल में बवाल



मृदुभाषी। भोपाल

न्यायिक अभिरक्षा में बंद 21 वर्षीय बीकॉम छात्र हर्षित राजपूत की मौत के बाद शुक्रवार को भोपाल में जमकर हंगामा और प्रदर्शन हुआ। बेटे की मौत से आक्रोशित परिजन स्ट्रेचर पर शव रखकर मुख्यमंत्री निवास की ओर निकल पड़े और सीएम हाउस से करीब 400 मीटर पहले चक्काजाम कर दिया। परिजनों ने पुलिस और जेल प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। प्रदर्शन के कारण पॉलिटेक्निक से न्यू मार्केट और रंगमहल की ओर जाने वाले मार्ग पर आवागमन प्रभावित रहा। स्थिति को संभालने के लिए सात थानों की पुलिस और कंट्रोल रूम से अतिरिक्त बल तैनात किया गया। काफी समझाइश के बाद रंगमहल क्षेत्र में चल रहा प्रदर्शन समाप्त हुआ, हालांकि परिजनों ने प्रशासन को शनिवार तक का अल्टीमेटम देते हुए चेतावनी दी है कि कार्रवाई न होने पर वे दोबारा प्रदर्शन कर नर्मदापुरम हाईवे जाम करेंगे।

परिजनों ने जेल प्रशासन और इलाज व्यवस्था पर गंभीर आरोप लगाए हैं। मृतक के परिवार का कहना है कि हर्षित पिछले दो महीने से बीमार था और बेहतर उपचार के लिए चार बार न्यायालय में आवेदन दिए गए, लेकिन उसे सरकारी अस्पताल में भर्ती नहीं कराया गया। परिजनों ने जेल के डॉक्टरों पर इलाज के बदले पैसे मांगने का आरोप भी लगाया। परिवार के अनुसार, तबीयत ज्यादा बिगड़ने पर बुधवार शाम उसे हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां गंभीर अवस्था में उसे वेंटिलेटर पर रखा गया और गुरुवार रात इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। परिजनों ने उपचार के दौरान उसके पैरों में बेड़ियां होने पर भी सवाल खड़े किए हैं। पोस्टमॉर्टम के बाद शव सौंपने में हुई देरी और व्यवहार को लेकर भी परिवार में गहरा आक्रोश देखा गया। मृतक के भाई आशीष चौहान ने आरोप लगाया कि पुलिस ने शाम करीब छह बजे शव तो सौंपा, लेकिन एंबुलेंस की व्यवस्था नहीं की गई और शव को सम्मानजनक तरीके से देने के बजाय फेंककर दिया गया, जिसका वीडियो उनके पास मौजूद होने का दावा भी परिवार ने किया है। परिजनों का कहना है कि हर्षित का पहले कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं था और उसे झूठे मामले में फंसाया गया था, इसलिए जेल अधीक्षक, जेलर तथा इलाज के लिए जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई होनी चाहिए। दूसरी ओर, जेल अधीक्षक मानवेंद्र सिंह परिहार ने परिजनों के आरोपों से अलग अपना पक्ष रखा है। उनका कहना है कि हर्षित को उल्टी-दस्त की शिकायत थी और जेल के डॉक्टर लगातार उसका उपचार कर रहे थे, जिसकी जानकारी अदालत को भी दी गई थी, वहीं अस्पताल में भी उसे नियमों के तहत रखा गया था। चूंकि हर्षित की मौत न्यायिक अभिरक्षा के दौरान हुई है, इसलिए मामले की न्यायिक जांच शुरू कर दी गई है, जिसमें जेल में उपचार, अस्पताल ले जाने में हुई देरी और मौत से जुड़े घटनाक्रम की जांच की जाएगी।

3,600 करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्ताव और 15 हजार रोजगार का मार्ग प्रशस्त

ग्वालियर में बनेगा देश का पहला टेलीकॉम मैन्युफैक्चरिंग ज़ोन

मृदुभाषी। भोपाल



प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में देश तकनीकी आत्मनिर्भरता और औद्योगिक विकास की नई ऊंचाइयों की ओर बढ़ रहा है और इसी संकल्प को साकार करते हुए मध्यप्रदेश निरंतर नए औद्योगिक अवसरों के द्वार खोल रहा है। इसी कड़ी में ग्वालियर में 170 एकड़ में देश का पहला इंटीग्रेटेड टेलीकॉम मैन्युफैक्चरिंग ज़ोन (टीएमजेड) विकसित किया जा रहा है, जो टेलीकॉम क्षेत्र में भारत की आत्मनिर्भरता को नई मजबूती प्रदान करेगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भोपाल में आयोजित 'टेलीकॉम मैन्युफैक्चरिंग ज़ोन इन्वेस्टर मीट' को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने केंद्रीय संचार व पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के साथ ग्वालियर टेलीकॉम मैन्युफैक्चरिंग ज़ोन निवेशक सम्मेलन का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि यह ज़ोन टेलीकॉम उपकरणों के डिजाइन, अनुसंधान एवं विकास, नवाचार, परीक्षण, प्रमाणन और विनिर्माण का एकीकृत केंद्र बनेगा, जहां 5G, 6G, सैटकॉम, ऑप्टिकल फाइबर और IoT जैसी भविष्य की तकनीकों के उत्पादन एवं नवाचार को नई दिशा मिलेगी। इस परियोजना के लिए 25 निवेशकों की रुचि, 15 उत्पाद श्रेणियां और 3,600 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव ग्वालियर की औद्योगिक संभावनाओं को दर्शाते हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ग्वालियर में लगभग 450.45 एकड़ क्षेत्र में विकसित होने जा रहे टेलीकॉम मैन्युफैक्चरिंग ज़ोन के दूसरे चरण का भी शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश केवल घोषणाएं करने वाला राज्य नहीं है, बल्कि विकास कार्यों को तीव्र गति से धरातल पर उतारने वाले अग्रणी राज्यों में शामिल हो रहा है। प्रदेश ने फाइल वर्क से आगे बढ़कर फील्ड वर्क पर ध्यान केंद्रित किया है, जिससे कम समय में अधिकतम परिणाम मिल रहे हैं। टीएमजेड की स्थापना के लिए जुलाई 2026 में भारत सरकार के दूरसंचार मंत्रालय के साथ एमओयू हुआ था और महज 4 से 5 महीने में पहले फेज के लिए आवंटन जारी कर दिया गया तथा दूसरे फेज के लिए 450.45 एकड़ भूमि देकर इसका शुभारंभ किया गया। ग्वालियर इन्वेस्टर मीट के दौरान 25 कंपनियों को आशय पत्र वितरित किए गए, जिनके निवेश से प्रदेश में 15 हजार से अधिक रोजगार के अवसर सृजित होंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि व्यापार और व्यवसाय की राह में बाधा बन रहे 925 से अधिक अनावश्यक कानूनों और लगभग 2,700 से अधिक अनुपालनों को समाप्त किया गया है। उन्होंने कहा कि अब एमपी का मतलब मोर प्रॉफिट, मेगा प्रॉफिट और मेगा प्रोजेक्ट है। प्रदेश की विकास दर 11 प्रतिशत से अधिक और औद्योगिक विकास दर 24 प्रतिशत से ऊपर पहुंच गई है, तथा लगातार तीसरे वर्ष निवेशकों के विश्वास के साथ प्रदेश तेज गति से आगे बढ़ रहा है। आगामी 13 दिसंबर को राज्य सरकार के तीन वर्ष पूरे होने का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि करीब एक हजार दिनों में से 432 दिन औद्योगिक विकास पर चर्चा की गई। औद्योगिक जरूरतों के लिए बिजली की उपलब्धता पर उन्होंने कहा कि गांधीसागर के पास पंप्ड हाइड्रो पॉवर परियोजना के पहले टर्बाइन का शुभारंभ किया गया है, जिससे 2,000 मेगावाट बिजली पैदा होगी और यह कार्य रिकॉर्ड ढाई साल में पूर्ण हो रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार के लिए छोटे-बड़े सभी निवेशक समान हैं और कृषि, उद्योग, शिक्षा व स्वास्थ्य सहित हर क्षेत्र में काम हो रहा है। मंदसौर में एग्रो एंड केमिकल पार्क, रतलाम में बायोफार्मा, धार में टेक्सटाइल पार्क, छिंदवाड़ा में इंडस्ट्रियल बेल्ट तथा ग्वालियर में टीएमजेड फेज-2 के लिए विशेष योजना तैयार की गई है। सस्ती दरों पर भूमि, बिजली और पानी उपलब्ध कराने के साथ रोजगार परक उद्योग स्थापित करने पर श्रमिकों के लिए 5,000 रुपये मासिक सहायता दी जा रही है। साथ ही एविएशन सेक्टर को बढ़ावा देते हुए इंदौर और भोपाल से अबुधाबी और शारजाह के लिए हवाई सेवा शुरू की गई है।

उपभोक्ता से सर्विस प्रोवाइडर की ओर भारत, कनेक्टिविटी और ग्वालियर की रणनीतिक बढ़तः केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि भारत सरकार और मध्यप्रदेश सरकार के सहयोग से ग्वालियर में टेलीकॉम मैन्युफैक्चरिंग ज़ोन आकार ले रहा है, जहां देश के विभिन्न राज्यों से निवेशक आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 से पहले देश में केवल 6 करोड़ ब्रॉडबैंड उपभोक्ता थे, जो 16 गुना बढ़कर 102 करोड़ हो गए हैं, जबकि इंटरनेट कनेक्शन 25 करोड़ से बढ़कर 110 करोड़ तक पहुंच चुके हैं। देश के 99 प्रतिशत गांवों और प्रत्येक जिले तक 4G कनेक्टिविटी पहुंची है तथा 50 करोड़ लोग 5G का उपयोग कर रहे हैं। भारत 6G के विकास में भी दुनिया का नेतृत्व करेगा और टेलीकॉम सेवाओं के सबसे बड़े उपभोक्ता से सर्विस प्रोवाइडर के रूप में आगे बढ़ रहा है।

ईज ऑफ डूइंग बिजनेस पोर्टल, स्किल डेवलपमेंट और 493 करोड़ की केंद्रीय सहायताः मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल ने कहा कि निवेशक 2047 तक विकसित मध्यप्रदेश के लक्ष्य में डेवलपमेंट पार्टनर हैं। प्रदेश का ईज ऑफ डूइंग बिजनेस सचिवालय दिसंबर से पूरी क्षमता के साथ काम करेगा और तैयार पोर्टल के माध्यम से सभी आवश्यक क्लियरेंस ऑनलाइन मिलेंगे, ताकि निवेशकों को कार्यालयों के चक्कर न काटने पड़ें। ग्वालियर में कंपनियों की आवश्यकता के अनुसार आईटीआई और पॉलिटेक्निक कॉलेजों के नए कोर्स डिजाइन करने की योजना भी बनाई गई है। केंद्रीय संचार मंत्रालय के अपर सचिव श्यामल मिश्रा ने बताया कि भारत सरकार ने ग्वालियर टीएमजेड के विकास के लिए पहले चरण में 493 करोड़ रुपये की सहायता दी है और यह प्लग एंड प्ले मॉडल के रूप में विकसित होगा, जहां रिसर्च एंड डेवलपमेंट की सभी सुविधाएं उपलब्ध होंगी। अपर मुख्य सचिव नीरज मंडलोई ने कहा कि ग्वालियर टीएमजेड का कम समय में आकार लेना प्रदेश की तेज औद्योगिक गति का प्रमाण है। इस अवसर पर जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, खेल एवं युवा कल्याण सहकारिता मंत्री विश्वास कैलाश सारंग, ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, सूक्ष्म लघु और मध्यम उद्यम मंत्री चैतन्य काश्यप, पूर्व मंत्री एवं विधायक प्रभुराम चौधरी, महापौर मालती राय तथा बड़ी संख्या में निवेशक मौजूद रहे।

एमपी के नए डीजीपी के लिए तीन नामों का पैनल तय

वरुण कपूर, उपेंद्र जैन और प्रज्ञा ऋचा श्रीवास्तव के नाम शामिल

मृदुभाषी। भोपाल



मध्यप्रदेश के नए पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) के चयन की प्रक्रिया में शुक्रवार को तीन वरिष्ठ आईपीएस अधिकारियों के नामों को हरी झंडी मिल गई। दिल्ली स्थित संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) कार्यालय में हुई एम्पैनलमेंट कमेटी की बैठक में प्रदेश के अगले डीजीपी की नियुक्ति के लिए तीन अधिकारियों का पैनल तय कर दिया गया है, जिसमें वरुण कपूर, उपेंद्र जैन और प्रज्ञा ऋचा श्रीवास्तव के नाम शामिल हैं।

वर्तमान डीजीपी कैलाश मकवाना 30 नवंबर को सेवानिवृत्त हो रहे हैं, जिसके चलते राज्य सरकार को उनके स्थान पर नए पुलिस प्रमुख की नियुक्ति करनी है। इसी प्रक्रिया के तहत दिल्ली में आयोजित एम्पैनलमेंट कमेटी की बैठक में प्रदेश के मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल और डीजीपी कैलाश मकवाना भी शामिल हुए। पैनल में विशेष पुलिस महानिदेशक (स्पेशल डीजी) रैंक के इन तीनों वरिष्ठ अधिकारियों के नाम शामिल किए गए हैं और अब राज्य सरकार इनमें से किसी एक को प्रदेश का नया डीजीपी नियुक्त कर सकती है। डीजीपी चयन के लिए बनी एम्पैनलमेंट कमेटी में यूपीएससी के अध्यक्ष या सदस्य, केंद्रीय गृह सचिव अथवा उनके नामित अधिकारी तथा मध्यप्रदेश कैडर से बाहर केंद्र सरकार में पदस्थ वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी शामिल होते हैं। कमेटी वरिष्ठता और तय मापदंडों के आधार पर तीन नामों का पैनल राज्य सरकार को भेजती है, जिसके बाद सरकार को इन्हीं में से एक अधिकारी को डीजीपी बनाना होता है।



सम्पादकीय

कैग के निष्कर्ष नियामकों के लिए चेतावनी

भारत में सदियों से सोने का सम्मोहन रहा है। हमारे लिये यह सोना महज कीमती धातु ही नहीं है बल्कि हम सबके संस्कारों, रीति-रिवाजों और धार्मिक अनुष्ठानों का हिस्सा रहा है। मौजूदा दौर में यह लाखों परिवारों के लिये एक निवेश और वित्तीय सुरक्षा का जरिया भी है। माना जाता है कि सोना संकट का साथी है। इसलिये, सोने के आभूषणों की शुद्धता के मामले में कोई समझौता स्वीकार्य नहीं हो सकता है। लेकिन नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक यानी कैग के ऑडिट के शुरुआती निष्कर्षों ने 'ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड्स' यानी बीआईएस की निगरानी प्रणाली में गंभीर खामियों को उजागर किया है। निस्संदेह, यह एक ऐसी चेतावनी है, जिसे नियामक भी अनदेखी नहीं कर सकते। नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक के ऑडिट के शुरुआती निष्कर्षों से पता चलता है कि पिछले पांच वर्षों में अस्सी फीसदी से अधिकृत पंजीकृत जौहरियों की जांच न कर पाना विडंबना ही है। इसके साथ ही हॉलमार्किंग केंद्रों के अनिवार्य ऑडिट में 43.7 फीसदी की कमी होना नियामक संस्था के अपने कर्तव्यों की पालना में गंभीर लापरवाही को ही दर्शाता है। यह बात भी बेहद चिंताजनक है कि प्रवर्तन कार्रवाई, कानूनी मुकदमों और दंडात्मक कार्रवाई के कोई व्यवस्थित रिकॉर्ड नहीं रखे गये हैं। जो नियामक संस्था नियमों के पालन की ठीक से निगरानी नहीं कर सकती अथवा नियमों के उल्लंघन पर नजर नहीं रख सकती, निश्चित रूप से वह पूरी निगरानी प्रणाली की विश्वसनीयता को ही कमजोर कर देती है। दूसरे शब्दों में कहें तो वह उपभोक्ताओं की रक्षा करने की जिम्मेदारी का निर्वहन नहीं कर पायी है। वहीं दूसरी ओर रेनियम की कथित मिलावट की जांच, जो संभवतः नियमित शुद्धता परीक्षाओं की जांच में पकड़ में नहीं आ पायी थी, इस बात को ही उजागर कर देती है कि सही मायने में केवल मौजूदा परीक्षण विधियों पर निर्भर रहने की अपनी सीमाएं हैं। जो जांच के तौर-तरीकों में बदलाव की जरूरत को बताता है।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि सोने को लेकर ग्राहकों के विश्वास को हर कीमत पर बनाये रखना लाजिमी है। जांच परीक्षण में सोने की शुद्धता स्पष्ट न होना हालांकि एक अलग मामला है, लेकिन इससे यह अंतिम निष्कर्ष भी नहीं निकाला जा सकता है कि सोने में बड़े पैमाने पर मिलावट हो रही है। लेकिन इतना जरूरी है कि सोने को गुणवत्ता की कसौटी पर खरा उतारने के लिये जांच के लिये अधिक उन्नत परीक्षण किया जाना चाहिए। इसके साथ ही गुणवत्ता के मानकों के निर्धारण के लिये स्वतंत्र सत्यापन की आवश्यकता भी महसूस की जा रही है। देश में नियामक संस्था के लिये मैनपॉवर की कमी नहीं है। वहीं दूसरी ओर भौगोलिक बाधाओं को अपर्याप्त निगरानी के लिये स्थायी बहाना नहीं बनाया जा सकता है। 'ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड्स' को अपनी निरीक्षण क्षमता को निश्चित रूप से मजबूत व पारदर्शी करना चाहिए। यदि उन्नत टेस्टिंग वाली तकनीक को अपनाया जाता है तो लोगों का व्यवस्था पर भरोसा कायम होगा। सही मायने में 'ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड्स' को जोखिम-आधारित निगरानी प्रणाली लागू करनी चाहिए। साथ ही सख्त जवाबदेही सुनिश्चित करने की जरूरत है। इसके अलावा थर्ड-पार्टी ऑडिट और विकेंद्रीकृत निगरानी व्यवस्था से भी कवरेज में सुधार किया जा सकता है। सही मायने में उपभोक्ताओं को 'बीआईएस केयर' ऐप के जरिये बीआईएस हॉलमार्क और छह अंकों वाले हॉलमार्क यूनिक आइडेंटिफिकेशन यानी एचयूआईडी कोड की जांच जरूर करनी चाहिए। यह भी कि उपभोक्ता हमेशा प्रतिष्ठित ज्वैलर्स से ही सोने के आभूषण खरीदें। साथ ही उपभोक्ता को सुनार से विस्तृत बिल की मांग भी करनी चाहिए।

विश्व कूटनीति की दिशा बदलेगी शेन्झेन बैठक!

पुष्परंजन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड आर. मार्कोस जूनियर के निमंत्रण पर मनीला में आयोजित 23वें आसियान-भारत शिखर सम्मेलन और 21वें ईस्ट एशिया समिट में भाग लेने गए थे। भले ही भारत आसियान का पूर्ण सदस्य नहीं है, लेकिन यह संगठन के साथ साझेदारी और संवाद तंत्र के माध्यम से जुड़ा हुआ है। आसियान की मशाल अब सिंगापुर के हाथों में है। वर्ष 1967 में स्थापित आसियान में ब्रुनेई, कंबोडिया, इंडोनेशिया, लाओस, मलेशिया, म्यांमार, फिलीपींस, सिंगापुर, थाईलैंड, वियतनाम और तिमोर-लेस्ते शामिल हैं। वर्ष 2027 में इस क्षेत्रीय समूह की 60वीं वर्षगांठ होगी।

लेकिन, पीएम मोदी का मनीला जाना इसलिए महत्वपूर्ण हो गया कि वहां क्वाड समूह की शिखर बैठक भी साथ-साथ निपट गई। क्वाड में अमेरिका, जापान, भारत और ऑस्ट्रेलिया शामिल हैं। मंगलवार को क्वाड नेता फिलीपींस की राजधानी मनीला में बगलगीर थे। सितंबर 2024 के बाद से यह उनकी पहली मुलाकात थी। चीनी पर्यवेक्षक इससे चिढ़ से गए. 'ग्लोबल टाइम्स' ने उनके हवाले से तंज़ किया, 'यह समूह फोटो डिप्लोमेसी तक ही सीमित है। जिसका कोई ठोस नतीजा नहीं निकलता।'

मनीला में आयोजित 49वें आसियान शिखर सम्मेलन और उससे जुड़ी बैठकों को लेकर चीन की असहजता के पीछे कई प्रमुख कूटनीतिक कारण थे। शिखर सम्मेलन से ठीक पहले अक्तूबर 2026 में आयोजित आसियान रक्षा मंत्रियों की बैठक में चीन ने फिलीपींस पर जानबूझकर बाधाएं खड़ी करने और राजनयिक प्रोटोकॉल तोड़ने का आरोप लगाया था। इसके विरोध में चीन ने अपने रक्षा मंत्री के बजाय एक निचले स्तर के सैन्य प्रतिनिधि (डिफेंस अताशे) को भेजा था। तीखी टिप्पणियों से नाराज पेइचिंग ने



फिलीपींस के रक्षा मंत्री गिल्बर्टो तियोदोरो की चीन यात्रा पर प्रतिबंध भी लगाया था। चीनी राष्ट्रपति शी इन वजहों से मनीला बैठक में नहीं आये। उनकी जगह प्रधानमंत्री ली कियांग ने चीन का प्रतिनिधित्व किया।

वजह साऊथ चाइना सी है, जहां चीन के अलावा फिलीपींस, वियतनाम, मलेशिया, ब्रुनेई और ताइवान इस क्षेत्र के अलग-अलग द्वीपों और जलक्षेत्रों पर अपना दावा जताते रहे हैं। इंडोनेशिया के साथ भी उसके समुद्री क्षेत्र को लेकर मतभेद हैं। अंतरराष्ट्रीय न्यायाधिकरण ने 2016 में फिलीपींस के पक्ष में फैसला देते हुए चीन के ऐतिहासिक दावों को अंतरराष्ट्रीय कानून के विरुद्ध बताया था, लेकिन चीन इस फैसले को नहीं मानता है।

मनीला शिखर बैठक में दक्षिण चीन सागर की आचार संहिता पर आसियान देश और चीन अंतिम समझौते तक नहीं पहुंच सके, हालांकि मसौदे के लगभग 80 प्रतिशत हिस्से पर अस्थायी सहमति बन चुकी थी। अब शायद सिंगापुर शिखर बैठक में कुछ हो। फिलीपींस ने अपनी आसियान अध्यक्षता के दौरान 2026 के अंत तक इस समझौते को पूरा करने का लक्ष्य रखा था, लेकिन मतभेदों के कारण यह पूरा नहीं हो सका। सिंगापुर के पूर्व राजनयिक बिलाहारी कौसिकन अपनी बेबाक टिप्पणियों के लिए मशहूर हैं। 2015 में सिंगापुर में आयोजित एक सम्मेलन में बिलाहारी ने आसियान की तुलना 'एक गाय' से की थी, जो 'कभी घोड़ा नहीं बन सकती।' उन्होंने कहा कि दोनों ही जानवर उपयोगी हैं, लेकिन उनकी उपयोगिता का स्तर अलग-अलग है।

लेकिन, मनीला शिखर बैठक से बड़ी कूटनीतिक कहानी शेन्झेन शिफ्ट कर गई है, जहां दुनिया के तमाम देशों की निगाहें पुतिन, ट्रम्प और शी की त्रिपक्षीय मुलाक़ात पर है। 18 से 19 नवंबर 2026 को 21 सदस्यीय एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग (एपेक) शिखर सम्मेलन चीन के शेन्झेन शहर में आयोजित हो रहा है। 19 नवंबर को शी जिनपिंग, डोनाल्ड ट्रंप और व्लादिमीर पुतिन के बीच पहली मुलाक़ात में विश्व की दिशा बदलेगी, ऐसा अनुमान कुछ पर्यवेक्षक लगा रहे हैं। "एपेक" पूरे एशिया-प्रशांत क्षेत्र में मुक्त व्यापार को बढ़ावा देता है। भारत इसका सदस्य देश नहीं है।

अगरचे, यह त्रिपक्षीय बैठक ट्रंप के नेतृत्व वाली रिपब्लिकन पार्टी की शर्मनाक हार की पृष्ठभूमि में हो रही है, इसलिए ट्रंप इसमें अपने लिए एक ही फायदा देखते हैं - जो जरूरी नहीं कि अमेरिका के लिए भी फायदेमंद हो। वह अपने घरेलू समर्थकों के सामने यह दावा कर सकते हैं कि मध्यावधि चुनावों में हार के बावजूद, 'वह अभी भी इतने ताकतवर हैं कि दुनिया चला सकते हैं।' लेकिन, ट्रम्प की छवि की जिस तरह मिट्टी पलीद हुई है, ट्रम्प की ऐसी दावेदारी को शायद ही कोई सीरियसली ले। ब्रुकिंग्स इंस्टीट्यूशन के चाइना सेंटर के फेलो जोनाथन ए. ज़िन का कहना है कि ऐसी किसी स्थिति की कल्पना करना मुश्किल है।

धर्म-ज्योतिष

राहु-केतु दोष से मुक्ति दिलाता स्वर्णमुखी नदी तट पर बसा ऐतिहासिक मंदिर

कार्तिक पूर्णिमा के दिन देशभर में देव दीपावली मनाई जाती है। हिंदू धर्म में इस तिथि का विशेष महत्व है। दीवाली के ठीक 15 दिन बाद कार्तिक पूर्णिमा के दिन स्वर्ग से देवता धरती लोक पर आते हैं। इस बार देव दीपावली 24 नवंबर 2026, मंगलवार के दिन मनाई जाएगी। कहते है कि देव दीवाली देवताओं के लिए होती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस दिन देवता स्वर्ग से सीधे धरती लोक पर आते हैं और दीये जलाते हैं। क्योंकि माना जाता है कि इसी दिन देवताओं ने त्रिपुरासुर नाम के रक्षत को हराया था और इस खुशी में देवताओं ने काशी में दीय जलाए थे। माना जाता है कि इस दिन हर किसी को अपने घर में दीये जलाने चाहिए। ऐसा करने के पीछे धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व दोनों हैं। कार्तिक पूर्णिमा के दिन दीये जलाना या दीपदान करना अच्छाई, ज्ञान, प्रकाश और सकारात्मक ऊर्जा से संबंधित है। खासतौर पर इस दिन सभी को अपने घर पर रात के समय कम से कम 5 दीये तो जरुर जलाएं। इन दीयों को सबसे पहले मुख्य द्वार के दोनों ओर सरसों के तेल का दीया प्रज्वलित करना चाहिए।



समसामयिक

रोजगार के लिए भस्मासुर न बन जाए एआई

यह नब्बे के दशक की बात है। उन दिनों आज की तरह गैस पाइपलाइन नहीं थीं। सिलेंडर आते थे। मथुरा का एक लड़का सिलेंडर लेकर आता। सिलेंडर लगाने के बाद पहला चाय का कप उसके लिए ही बनता। एक बार बातों-बातों में उसने बताया कि वह एक गांव से आता है। दलित कम्युनिटी से है। एम.ए., एम.एड. कर चुका है, लेकिन कहीं नौकरी नहीं मिली। जहां भी नौकरी के लिए जाता है, वहां पहले से ही कोई और नौकरी के लिए चुन लिया गया होता है। रिश्वत का बोलबाला है। रिश्वत के लिए पैसे कहां से लाए? उसकी बात सुनकर बहुत अफसोस हुआ।

पिछले दिनों एक ई-रिक्शा में जा रही थी। चूंकि सोसायटी के सामने से रिक्शा लिया था, तो उसे चलाने वाला युवा बोला—आंटी जी, आप पत्रकार हो। मैंने कहा—हां। फिर हम बातें करने लगे। उसने बताया कि वह एम.टेक. है। पढ़ाई के लिए पिता ने साढ़े चार लाख का कर्ज लिया। सोचा था कि नौकरी मिलेगी, तो चुका दूंगा।



लेकिन जहां भी नौकरी के लिए गया, दस हजार से ज्यादा देने को कोई तैयार नहीं हुआ। अब दिल्ली जैसे शहर में दस हजार में क्या खाऊं, क्या बचाऊं? कर्ज कैसे चुकाऊं? इसलिए मैंने नौकरी छोड़कर ई-रिक्शा चलाना शुरू कर दिया। इससे अच्छी आमदनी हो जाती है। जब रिक्शे से उतरकर आगे बढ़ी, तो बहुत सी बातें दिमाग में खलबली मचाती रहीं। एक लड़का आज से तीस साल पहले मिला था, एक अब मिला। दोनों की समस्याएं एक जैसी। खूब पढ़े-लिखे, गरीब, लेकिन पढ़ाई-लिखाई का कोई फायदा नहीं मिला। आधुनिकता के दौर के साथ-साथ दुनिया भर में यह मान लिया गया कि अगर जीवन में कुछ करना है, आगे बढ़ना है, पैसे कमाने हैं, तो पढ़ना-लिखना बहुत जरूरी है। बचपन से ही बच्चे को बताया जाता कि अगर पढ़ोगे-लिखोगे नहीं, मेहनत नहीं करोगे, तो इस जिंदगी में कुछ नहीं कर पाओगे। एक दौर ऐसा भी था कि पढ़ने-लिखने के बाद कोई न कोई नौकरी मिल ही जाती थी, लेकिन बेरोजगारी हमेशा ही हमारे देश की समस्या रही है। इसके लिए कभी अधिक आबादी, तो कभी कम औद्योगिकीकरण को जिम्मेदार माना जाता रहा है। जब कम्प्यूटर क्रांति हुई, तब कहा जा रहा था कि कम्प्यूटर सबकी नौकरी खा जाएगा। सबकी नौकरियां तो खत्म नहीं हुईं, लेकिन बहुत बड़ी संख्या में लोग बेरोजगार हो गए। अब आ गया है एआई का जमाना। इसके बारे में तो टेस्ला और स्पेसएक्स के मालिक, अमेरिका के बहुत बड़े उद्योगपति एलन मस्क कह रहे हैं कि कुछ सालों में लोगों को न काम करने की जरूरत रहेगी, न पैसे की।

व्यापार

नैस्डैक और हांगकांग एक्सचेंज को पछाड़कर दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा लिस्टेड शेयर बाजार संचालक बना एनएसई

मृदुभाषी। नई दिल्ली

भारतीय शेयर बाजार के लिए एक बड़ी उपलब्धि सामने आई है। देश का प्रमुख शेयर बाजार संचालक नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) बाजार मूल्य के लिहाज से दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा सूचीबद्ध शेयर बाजार संचालक बन गया है। सितंबर में शेयर बाजार में सूचीबद्ध होने के महज दो महीने के भीतर एनएसई ने अमेरिका के नैस्डैक और हांगकांग के हांगकांग एक्सचेंज एंड क्लियरिंग (एचकेईएक्स) को पीछे छोड़ते हुए यह मुकाम हासिल किया है।



ताजा कारोबारी आंकड़ों के अनुसार एनएसई का कुल बाजार मूल्य करीब 59.3 अरब डॉलर पहुंच गया है, जबकि नैस्डैक और एचकेईएक्स दोनों का बाजार मूल्य लगभग 57.7 अरब डॉलर है। इस तरह एनएसई इन दोनों वैश्विक संस्थानों से करीब 1.6 अरब डॉलर आगे निकल गया है। दुनिया के सबसे बड़े सूचीबद्ध शेयर बाजार संचालकों की सूची में अमेरिका का सीएमई ग्रुप लगभग 109.6 अरब डॉलर के बाजार मूल्य के साथ पहले स्थान पर है। दूसरे स्थान पर न्यूयॉर्क स्टॉक एक्सचेंज की मूल कंपनी इंटरकॉन्टिनेंटल एक्सचेंज है, जिसका मूल्य 95.5 अरब डॉलर है। जर्मनी का डॉयचे बोर्स 63.7 अरब डॉलर के साथ तीसरे और लंदन स्टॉक एक्सचेंज ग्रुप 60.1 अरब डॉलर के साथ चौथे स्थान पर काबिज है। 59.3 अरब डॉलर के मूल्य के साथ पांचवें पायदान पर पहुंचे एनएसई और चौथे स्थान पर मौजूद लंदन स्टॉक एक्सचेंज ग्रुप के बीच अब केवल 800 मिलियन डॉलर का अंतर रह गया है। लिस्टिंग के बाद से एनएसई के शेयरों में लगातार जारी तेजी का सीधा असर कंपनी के मूल्यांकन पर पड़ा है। शुक्रवार दोपहर एनएसई के शेयर 1.5 प्रतिशत की बढ़त के साथ 2,222 रुपये पर कारोबार कर रहे थे, जो इसके 1,785 रुपये प्रति शेयर के आईपीओ भाव से करीब 24.5 प्रतिशत अधिक है। इस उछाल के चलते कंपनी का बाजार मूल्य आईपीओ स्तर के 4.4 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर करीब 5.5 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया है, यानी दो महीने से भी कम समय में इसके बाजार मूल्य में लगभग 1.1 लाख करोड़ रुपये का इजाफा हुआ है। गौरतलब है कि सितंबर में बीएसई पर 1,800 रुपये के भाव पर सूचीबद्ध होने वाला एनएसई का निर्गम, 2024 के हुंडई मोटर इंडिया के 27,870 करोड़ रुपये के आईपीओ के बाद देश का दूसरा सबसे बड़ा सार्वजनिक निर्गम रहा है। घरेलू व विदेशी निवेशकों की बढ़ती भागीदारी तथा मजबूत तकनीकी आधार के बल पर एनएसई अब चौथे स्थान के करीब पहुंच गया है।

चांदी भी 1.50 लाख पर लुढ़की

सोना-चांदी में जोरदार गिरावट, एक साल पुराने स्तर पर सोना

मृदुभाषी। नई दिल्ली



सर्राफा बाजार में सोने-चांदी की कीमतों में लगातार गिरावट का सिलसिला जारी है और खरीदारों को बड़ी राहत मिलती दिख रही है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के मुताबिक, शुक्रवार को 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 5,947 रुपए लुढ़ककर 1.23 लाख रुपए के स्तर पर आ गया। इस गिरावट के साथ सोना करीब एक साल पुराने स्तर पर पहुंच गया है, जबकि पिछले साल 24 नवंबर को 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का भाव 1,23,308 रुपए दर्ज किया गया था और उसके बाद पूरे साल इसके दाम ऊंचे बने रहे। दूसरी तरफ चांदी के भाव में भी शुक्रवार को 9,789 रुपए प्रति किलो की बड़ी गिरावट आई, जिससे चांदी 1.50 लाख रुपए प्रति किलो पर आ गई। बाजार जानकारों के अनुसार अमेरिकी डॉलर में मजबूती और ऊंचे स्तरों पर मुनाफावसूली के चलते कीमती धातुओं की कीमतों पर दबाव बना हुआ है।

सालभर के उतार-चढ़ाव पर नजर डालें तो सोना अपने रिकॉर्ड स्तर से करीब 30 प्रतिशत और चांदी 60 प्रतिशत तक सस्ती हो चुकी है। आंकड़ों के मुताबिक 31 दिसंबर 2025 को 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 1.33 लाख रुपए था, जो 29 जनवरी को उछलकर 1.76 लाख रुपए के सबसे ऊपरी स्तर पर पहुंच गया था और वहां से अब तक यह करीब 52.4 हजार रुपए यानी लगभग 30 प्रतिशत गिर चुका है। इसी तरह चांदी 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए प्रति किलो थी, जो 29 जनवरी को 3.80 लाख रुपए के शिखर पर पहुंची थी, लेकिन तब से यह करीब 2.29 लाख रुपए यानी लगभग 60 प्रतिशत तक टूट चुकी है। सर्राफा कारोबारियों के मुताबिक अलग-अलग शहरों में कीमतों में अंतर के पीछे कई वजहें रहती हैं, जिनमें एक शहर से दूसरे शहर सोना ले जाने में लगने वाला ट्रांसपोर्टेशन व सुरक्षा खर्च, दक्षिण भारत में करीब 40 प्रतिशत खपत के बावजूद सीमित छूट का असर, स्थानीय ज्वेलरी एसोसिएशन द्वारा तय मांग-सप्लाई आधारित रेट तथा ज्वेलर्स के पुराने स्टॉक और खरीद मूल्य की भूमिका शामिल है। गिरते भावों के बीच खरीदारी करते समय शुद्धता और सही दाम जांचना बेहद जरूरी है। सोना खरीदते समय हमेशा ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड (बीआईएस) का अल्फान्यूमेरिक हॉलमार्क, जैसे AZ4524, देखकर ही सर्टिफाइड गोल्ड लें, जिससे कैरेट की शुद्धता का पता चलता है। साथ ही खरीदने के दिन वजन और भाव को आईबीजेए की वेबसाइट सहित अन्य विश्वसनीय स्रोतों से क्रॉस चेक करें, क्योंकि 24 कैरेट, 22 कैरेट और 18 कैरेट सोने के दाम अलग-अलग होते हैं। चांदी की परख के लिए भी आसान तरीके अपनाए जा सकते हैं, जिनमें चुंबक से न चिपकने वाला मैग्नेट टेस्ट, बर्फ तेजी से पिघलने वाला आइस टेस्ट, गंध रहित होने का स्मेल टेस्ट और सफेद कपड़े से रगड़ने पर काला निशान आने वाला क्लॉथ टेस्ट शामिल है।

आसमान से जमीन पर आई स्पाइसजेट!

10 से भी कम विमान उड़ान के लायक बचे, DGCA ने थमाया नोटिस

मृदुभाषी। नई दिल्ली

कभी देश की दूसरी सबसे बड़ी एयरलाइन रही स्पाइसजेट इन दिनों गंभीर आर्थिक और परिचालन संकट से जूझ रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, कंपनी के बेड़े में अब महज 13 विमान ही बचे हैं और इनमें से भी 10 से कम विमान उड़ान भरने की स्थिति में हैं। लगातार उड़ानें रद्द होने, देरी और परिचालन से जुड़ी गड़बड़ियों को लेकर नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने सख्त रुख अपनाते हुए 17 नवंबर को एयरलाइन को कारण बताओ नोटिस जारी कर 7 दिन में जवाब मांगा है।

आंकड़े बताते हैं कि एयरलाइन की स्थिति लगातार कमजोर होती जा रही है। इस साल अगस्त और सितंबर के दौरान स्पाइसजेट की हर पांच में से एक उड़ान रद्द हुई, जबकि बीते 9 महीनों में कंपनी की बाजार हिस्सेदारी 3.9 प्रतिशत से लुढ़ककर महज 0.6 प्रतिशत पर सिमट गई है। कंपनी पर 4 हजार करोड़ रुपए से अधिक का कर्ज है और लीज पर विमान देने वाली कंपनियों को भुगतान न कर पाने के कारण कई विमान हटाए जा चुके हैं या ग्राउंडेड खड़े हैं। समय पर उड़ान भरने का रिकॉर्ड भी बेहद खराब हो गया है—19 नवंबर को स्पाइसजेट की ऑन-टाइम परफॉर्मेंस (ओटीपी) सिर्फ 25 प्रतिशत रही, यानी हर पांच में से केवल एक ही फ्लाइट समय पर रवाना हो



सकी, जबकि अन्य भारतीय एयरलाइंस की ओटीपी 80 प्रतिशत से ऊपर दर्ज की गई। डीजीसीए ने अपने नोटिस में कई गंभीर अनियमितताओं पर सवाल खड़े किए हैं। नियामक के अनुसार विंटर शेड्यूल में रोजाना 66 उड़ानों की मंजूरी मिलने के बावजूद एयरलाइन करीब 15 उड़ानें यानी लगभग 23 प्रतिशत ही संचालित कर पा रही थी, वहीं 2026 में छोटे और दूरदराज के शहरों के लिए तय नियमों के तहत उड़ानें नहीं चलाई गईं। इसके अलावा उड़ानों में देरी व कैंसिलेशन के दौरान यात्रियों की सहायता के पर्याप्त इंतजाम न होने, 11 मई 2026 को लगाए गए जुर्माने का अब तक भुगतान न करने और संचालन के लिए जरूरी अनिवार्य बीमा कवर के रिन्यूअल को लेकर बनी अनिश्चितता पर भी डीजीसीए ने चिंता जताई है। साथ ही विदेशी सेवा प्रदाताओं को समय पर भुगतान न करने को लेकर विदेशी विमानन एजेंसियों ने भी शिकायत की है, और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के संचालन के लिए घरेलू बेड़े में कम से कम 20 विमान होने की अनिवार्य शर्त भी पूरी नहीं हो रही है।

सेंसेक्स 898 अंक उछलकर 83,920 पर बंद

निफ्टी 25,800 के पार, निवेशकों की संपत्ति में 1.83 लाख करोड़ की बढ़त

मृदुभाषी। नई दिल्ली

भारतीय शेयर बाजार में शुक्रवार को जोरदार तेजी देखने को मिली और प्रमुख सूचकांक मजबूती के साथ बंद हुए। सेंसेक्स 898 अंक यानी 1.08 प्रतिशत की बढ़त के साथ 83,920 के स्तर पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी भी 300 अंक या 1.06 प्रतिशत चढ़कर 25,800 के पार निकल गया। कारोबार के दौरान आईटी और रियल्टी शेयरों में सबसे ज्यादा खरीदारी का रुझान रहा। दिन के सत्र में सेंसेक्स करीब 1,000 अंक या 1.17 प्रतिशत की तेजी के साथ 84 हजार के स्तर को पार करते हुए 84,037.96 के ऊपरी स्तर पर पहुंचा, जो करीब नौ महीने बाद का स्तर है। इससे पहले 12 फरवरी को सेंसेक्स ने 84,061 का स्तर छुआ था।

बाजार में इस मजबूती के पीछे विदेशी निवेशकों की खरीदारी और कच्चे तेल की घटती कीमतों



को अहम वजह माना जा रहा है। लंबे समय से बिकवाली कर रहे विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने बीते सात दिनों में 14,927 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे हैं। बड़ी मात्रा में हुई इस खरीदारी से शेयरों के भाव चढ़े और उसका सीधा असर सेंसेक्स व निफ्टी की तेजी पर दिखा। इसके साथ ही ब्रेंट क्रूड ऑयल घटकर 90 डॉलर प्रति बैरल के करीब आ गया है। चूंकि भारत अपनी जरूरत का 85 प्रतिशत से अधिक कच्चा तेल आयात करता है, इसलिए तेल सस्ता होने से आयात खर्च घटने और महंगाई पर काबू रहने की उम्मीद बनती है, जिससे निवेशकों का भरोसा मजबूत हुआ है। इस तेजी के चलते शुक्रवार को निवेशकों की संपत्ति में 1.83 लाख करोड़ रुपए की बढ़ोतरी हुई। बीएसई पर सूचीबद्ध कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) पिछले सत्र के 511.97 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर 514 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गया।

उत्तर-पूर्वी सर्द हवाओं ने बढ़ाई ठिठुरन, जिले में कड़ाके की सर्दी का दौर शुरू, अगले तीन-चार दिन और गिरेगा तापमान

पांच साल का रिकॉर्ड टूटा, नवंबर में 9.4 डिग्री पर, पारा कोहरे और धुंध का असर

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

धार। जिले में आखिरकार सर्दी ने अपने तीखे तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। पिछले दो दिनों से मौसम के मिजाज में आए अचानक बदलाव के बीच तापमान में तेजी से गिरावट दर्ज की गई है। उत्तर-पूर्वी सर्द हवाओं ने ठिठुरन बढ़ा दी है। शनिवार को न्यूनतम तापमान लुढ़ककर 9.4 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। नवंबर महीने में पिछले पांच वर्षों के दौरान यह सबसे कम तापमान है। खास बात यह है कि पांच साल बाद नवंबर में पारा पहली बार 10 डिग्री से नीचे दर्ज किया गया है। इससे पहले वर्ष 2020 में नवंबर के दौरान न्यूनतम तापमान 10.2 डिग्री तक पहुंचा था।

शुक्रवार रात से ही ठंड का असर तेज हो गया था। रात के समय चली सर्द हवाओं ने लोगों को गर्म कपड़ों का सहारा लेने पर मजबूर कर दिया। शनिवार सुबह भी ठंड का असर साफ दिखाई दिया। सुबह जल्दी घरों से निकलने वाले लोगों को ठिठुरन का सामना करना पड़ा। कई स्थानों पर लोग अलाव जलाकर सर्दी से बचाव करते नजर आए। वहीं, बाजारों में गर्म कपड़ों और ऊनी वस्त्रों की मांग भी बढ़ने लगी है।मौसम के इस बदलाव के पीछे उत्तर-पूर्वी हवाओं को प्रमुख वजह माना जा रहा है। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार आगामी तीन से चार दिनों तक तापमान में और गिरावट आने



की संभावना है। रात के साथ सुबह के तापमान में भी कमी महसूस होगी। ठंड बढ़ने के साथ ही जिले के कई इलाकों में सुबह के समय कोहरा और धुंध छाने की स्थिति बन सकती है। इससे सुबह के समय दृश्यता भी प्रभावित होने की आशंका है। माह के अंतिम दिनों में ठंड के तीखे तेवर देखने को मिल सकते हैं।

रबी के लिए राहत लेकर आई ठंड, गेहूं-चना की बढ़ेगी ग्रोथ

लंबे इंतजार के बाद बढ़ी ठंड किसानों के लिए राहत की खबर लेकर आई है। जिले में इस बार अल्पवर्षा के कारण मौसम में अपेक्षित ठंडक नहीं बन पाई थी। इसका असर रबी फसलों की बढ़वार पर भी पड़ने की आशंका थी। अब तापमान में गिरावट आने से गेहूं, चना, मटर सहित अन्य रबी फसलों को अनुकूल वातावरण मिलने की उम्मीद है। कृषि के जानकारों के अनुसार गेहूं चने की फसल के अच्छे विकास के लिए ठंडा मौसम महत्वपूर्ण होता है। रात के तापमान में गिरावट और सुबह खेतों में ओस पड़ने से फसलों की बढ़वार के लिए अनुकूल परिस्थितियां बनती हैं। किसानों का कहना है कि यदि आगामी दिनों में मौसम इसी तरह बना रहता है तो फसलों की अच्छी पैदावार की उम्मीद मजबूत होगी। लंबे समय से ठंड और ओस का इंतजार कर रहे किसानों के चेहरों पर भी अब राहत नजर आने लगी है।

बढ़ेगा ठंड का असर, स्कूलों के समय में बदलाव की मांग

अचानक बढ़ी ठंड ने आमजन की दिनचर्या भी प्रभावित करना शुरू कर दिया है। विशेषकर छोटे बच्चों और बुजुर्गों को सुबह और देर रात की ठंड से बचाव करने की जरूरत है। तापमान में लगातार गिरावट को देखते हुए अभिभावकों ने स्कूलों के समय में परिवर्तन की मांग उठानी शुरू कर दी है। पालकों का कहना है कि सुबह के समय कड़ाके की ठंड के बीच छोटे बच्चों को स्कूल जाने में परेशानी हो रही है। ऐसे में प्रशासन और शिक्षा विभाग को स्कूलों के समय में बदलाव पर विचार करना चाहिए, ताकि बच्चों को ठंड से राहत मिल सके।

पांच वर्षों में नवंबर का सबसे कम न्यूनतम तापमान

वर्ष	न्यूनतम तापमान
2022	15.3 डिग्री
2023	17.0 डिग्री
2024	13.2 डिग्री
2025	12.1 डिग्री
2026	9.4 डिग्री

मासूम बेटों के हत्यारे को 10 साल का कठोर कारावास

पत्नी की हत्या का भी किया था प्रयास

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

धार। अपने दो मासूम बेटों की धारदार हथियार से निर्मम हत्या करने वाले पिता को न्यायालय ने 10 वर्ष के कठोर कारावास और 1 हजार रुपए के अर्थदंड से दंडित किया है। द्वितीय अपर सत्र न्यायाधीश कमलेश कुमार सोनी की अदालत ने गवाहों और साक्ष्यों के आधार पर आरोपी को दोषी करार देते हुए यह फैसला सुनाया।

घटना 1 मई 2025 की रात की है। आरोपी सिकदार ने पहले अपनी पत्नी मंजुबाई का गला दबाकर उसकी हत्या करने का प्रयास किया। किसी तरह जान बचाकर मंजुबाई अपने बड़े बेटे पंकेश को लेकर घर से भाग निकली। इसके बाद आरोपी ने अपने दो छोटे बेटों आकाश (4) और विकास (3) पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। गंभीर चोटों और अत्यधिक रक्तस्राव के कारण दोनों मासूमों की मौत हो गई। घटना में आकाश के सिर, गर्दन, कंधे और हाथों पर गंभीर चोटें आई थीं, जबकि विकास के सिर पर करीब 8 से 9 इंच लंबा और 2 से 3 इंच गहरा घाव था। इसके अलावा उसके कंधे और



हाथ पर भी चोटें थीं।

साक्ष्यों और गवाहों के आधार पर मिली सजा

मामले में डही पुलिस ने आरोपी सिकदार पिता बुटसिंह जमरा (25), निवासी डिगवी भंवरपुरा के विरुद्ध अपराध क्रमांक 53/2025 में भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1) और 109(1) के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना के बाद न्यायालय में चालान प्रस्तुत किया था। प्रकरण में अभियोजन की ओर से विशेष लोक अभियोजक संजयपाल मोरे ने पैरवी की। न्यायालय ने उपलब्ध साक्ष्यों और गवाहों के आधार पर आरोपी को दोषी ठहराते हुए 10 वर्ष के कठोर कारावास और कुल 1 हजार रुपए के अर्थदंड की सजा सुनाई।

77 हजार 640 रुपए और चांदी के आभूषण लेकर फरार हुए बदमाश

दिनदहाड़े कट्टे की नोंक पर तीन बदमाशों ने बैंककर्मी को लूटा

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

धार। जिले के सरदारपुर तहसील अंतर्गत राजगढ़ थाना क्षेत्र में दिनदहाड़े लूट की सनसनीखेज वारदात सामने आई है। छड़ावद गांव के आगे कलेक्शन कर लौट रहे आईडीएफसी बैंक के कर्मचारी को मोटरसाइकिल सवार तीन नकाबपोश बदमाशों ने कट्टे की नोक पर रोककर लूट लिया। बदमाश बैंक कर्मचारी से 77 हजार 640 रुपए की नकदी से भरा बैग, चांदी का ब्रेसलेट, दो अंगूठियां और मोबाइल फोन छीनकर फरार हो गए। दिनदहाड़े हुई इस वारदात से क्षेत्र में दहशत का माहौल है।

पुलिस को फरियादी साहिल पिता शेखर खत्री (23), निवासी गांधी कॉलोनी धार ने बताया कि वह आईडीएफसी बैंक में ग्रुप रिलेशन ऑफिसर के पद पर कार्यरत है। शुक्रवार सुबह से ही वह अलग-अलग स्थानों पर जाकर बैंक का कलेक्शन कर रहा था। विभिन्न स्थानों से उसने



कुल 77 हजार 640 रुपए की राशि एकत्रित की थी, जिसे उसने एक काले बैग में रखा हुआ था। बैग में कलेक्शन से संबंधित शीट भी मौजूद थी।

बाइक पर सवार होकर आए थे बदमाश

दोपहर करीब 12:30 बजे वह छड़ावद गांव से कलेक्शन कर मोटरसाइकिल से राजगढ़ की ओर लौट रहा था। इसी दौरान राजगढ़ की तरफ से एक मोटरसाइकिल पर सवार होकर आए तीन बदमाशों ने उसकी गाड़ी के सामने अपनी बाइक अड़ा दी और रास्ता रोक लिया। तीनों बदमाशों ने अपने चेहरे कपड़े से ढंक रखे थे, जिससे उनकी पहचान नहीं हो सके।

चाबी झाड़ियों में फेंकी, फिर भी नहीं बच पाया कर्मचारी

रास्ता रोकते ही दो बदमाश मोटरसाइकिल से नीचे उतरे और साहिल से बैग तथा वाहन की चाबी छीनने लगे। इस दौरान साहिल ने बचाव के लिए अपने वाहन की चाबी पास की झाड़ियों में फेंक दी। लेकिन बदमाशों ने उसे घेर लिया। इसी बीच एक बदमाश ने कट्टा निकालकर उसे जान से मारने की धमकी देते हुए डराया, जबकि दूसरे बदमाश ने उसके पास मौजूद काला बैग छीन लिया। बदमाशों ने साहिल के हाथ में पहना चांदी का ब्रेसलेट, दो चांदी की अंगूठियां और मोबाइल फोन भी लूट लिया।

तीसरा बदमाश बाइक चालू कर खड़ा रहा

वारदात के दौरान तीसरा बदमाश मोटरसाइकिल चालू कर मौके पर खड़ा रहा, ताकि लूट के बाद तीनों तत्काल फरार हो सकें। कर्मचारी से नकदी और आभूषण लूटने के बाद तीनों आरोपी अपनी मोटरसाइकिल से मौके से भाग निकले। अचानक हुई इस वारदात से कर्मचारी घबरा गया। लूटे गए सामान में 77 हजार 640 रुपए नकद, एक काला बैग, कलेक्शन शीट, चांदी का ब्रेसलेट, दो चांदी की अंगूठियां और मोबाइल फोन शामिल हैं। दिनदहाड़े हथियार के दम पर हुई इस लूट ने क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था और बदमाशों के बेखौफ अंदाज पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

जैन पत्रकार परिषद के प्रदेश उपाध्यक्ष बने राजेंद्र सकलेचा

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

नलखेड़ा। जैन पत्रकार परिषद की मध्यप्रदेश इकाई में आगर जिले के वरिष्ठ पत्रकार राजेंद्र सकलेचा (नलखेड़ा) को प्रदेश



उपाध्यक्ष पद पर मनोनीत किया गया है। परम पूज्य गुरुदेव आचार्य श्री विश्वरत्न सागर सूरीश्वरजी महाराज साहेब के पावन सानिध्य एवं आशीर्वाद से परिषद के वरिष्ठ प्रदेश संयोजक दीपक दुग्गड़ ने यह नियुक्ति की है। श्री सकलेचा की इस नियुक्ति पर समाजजनों तथा पत्रकार साथियों ने उन्हें बधाई देते हुए शुभकामना संदेश प्रेषित किए हैं।

देव दिवाली के पावन अवसर पर प्रदेश संयोजक दीपक दुग्गड़ ने नियुक्ति पत्र जारी करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि राजेंद्र सकलेचा अपनी कार्यकुशलता, अनुभव और समर्पण से परिषद की गतिविधियों को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएंगे तथा पद की गरिमा बनाए रखते हुए अपनी जिम्मेदारियों का कुशलतापूर्वक निर्वहन करेंगे। परिषद की ओर से उनके उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामनाएं भी व्यक्त की गईं। इस अवसर पर प्रदेश मीडिया सचिव प्रवीण जैन दसई ने शुभकामनाएं देते हुए कहा कि गुरुदेव आचार्य श्री विश्वरत्न सागर सूरीश्वरजी महाराज साहेब के पावन सानिध्य एवं आशीर्वाद में परिषद निरंतर प्रगति करेगी। संगठन पत्रकारिता के साथ-साथ जैन समाज के उत्थान, सामाजिक एकता, धर्म एवं संस्कृति के संरक्षण तथा राष्ट्रसेवा में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने विश्वास जताया कि राजेंद्र सकलेचा के अनुभव, मार्गदर्शन और सक्रिय सहभागिता से संगठन को नई ऊर्जा एवं मजबूती मिलेगी।

5 वर्षों से फरार आरोपी मंदसौर जिले से गिरफ्तार

खण्डवा। थाना नर्मदानगर पुलिस द्वारा चोरी के प्रकरण में विगत 05 वर्षों से फरार चल रहे आरोपी को जिला मंदसौर से गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की गई है। पुलिस के अनुसार अज्ञात आरोपियों द्वारा बीएसएनएल कार्यालय पुनासा से 36 बैटरियां, जिनकी कुल कीमत लगभग 1,44,000/- थी, चोरी कर ली गई थीं। मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था। साथ ही चोरी गई बैटरियां एवं घटना में प्रयुक्त पिकअप वाहन भी जप्त किया गया था। प्रकरण में आरोपी योगेश पटेल पिता रामप्रसाद खाती को अब पकड़ा गया है।

संभागीय अंतर जिला क्रिकेट स्पर्धा में खरगोन ने झाबुआ को 7 विकेट से हराया

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

खरगोन। स्टेडियम मैदान पर आयोजित दो दिवसीय संभागीय अंतर जिला क्रिकेट स्पर्धा के दूसरे दिन खरगोन और झाबुआ के बीच मैच खेला गया। खरगोन ने टॉस जीतकर झाबुआ को बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया।

झाबुआ की टीम पहली पारी में 37 ओवर में 10 विकेट खोकर 112 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। झाबुआ के बल्लेबाज अमन पथका ने 33 रन का योगदान दिया। खरगोन की ओर से गब्बू सराफ ने 4 विकेट झटके। इसके जवाब में खरगोन की टीम अपनी पहली पारी में 10 ओवर में 65



रन की बढ़त बनाते हुए 177 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। खरगोन की ओर से राहुल यादव ने 41 रन बनाए। झाबुआ के आदित्य त्रिपाठी ने 6 विकेट लिए। झाबुआ ने अपनी दूसरी पारी में 44 ओवर में 10 विकेट पर 136 रन बनाए। दूसरी पारी में आदित्य त्रिपाठी ने सर्वाधिक 52 रन का योगदान दिया जबकि खरगोन के विनोद किराडे ने 4 विकेट लिए। खरगोन के सामने जीत के लिए 72 रन का लक्ष्य था। खरगोन ने 10.3 ओवर में तीन विकेट खोकर 75 रन बनाकर यह मैच 7 विकेट से जीत लिया। खरगोन के पार्थ प्रजापत ने 37 रन की महत्वपूर्ण पारी खेली।

परिजनों ने किया थाने का घेराव, हत्या की आशंका

कंचनपुर में मिले मनोज कुशवाह के कंकाल का मामला, घटना को लेकर लोगों में बढ़ रहा आक्रोष

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

डबरा। देहात थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले कंचनपुर गांव में करीब 15 दिनों से लापता मनोज कुशवाह निवासी सांखनी का कंकाल मिलने के बाद मामला अब गंभीर रूप लेता नजर आ रहा है। घटना के बाद मृतक के परिजनों ने उसकी मौत को लेकर हत्या की आशंका जताई है। साथ ही देहात पुलिस पर समय रहते उचित कार्रवाई नहीं करने के गंभीर आरोप लगाए हैं। उल्लेखनीय है कि इसघटना को लेकर परिजनों के साथ ही लोगों में आक्रोश बढ़ा जा रहा है। उनका कहना है कि घटना को 15 दिन हो चुके है, किन्तु अब तक पुलिस कंकाल के बारे में कुछ भी पता नहीं लगा पाई है।

परिजनों का आरोप है कि मनोज के



लापता होने के बाद से ही वे लगातार उसकी तलाश और पुलिस से कार्रवाई की मांग कर रहे थे, लेकिन उनकी शिकायतों पर अपेक्षित कार्रवाई नहीं की गई। कंकाल मिलने के बाद परिजनों ने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग उठाई है लोगों का कहना है कि समय रहते कार्रवाई की जानी चाहिए थी।

मामले के प्रत्येक पहलू की जांच का दिलाया भरोसा

जब परिजनों ने देहात थाने का घेराव किया तो मामले की गंभीरता को देखते हुए एसडीओपी सौरभ कुमार देहात थाना पहुंचे। उन्होंने मृतक के परिजनों से चर्चा कर उनकी बात सुनी और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने का आश्वासन दिया। एसडीओपी ने परिजनों को भरोसा दिलाया कि मामले के प्रत्येक पहलू की जांच की जाएगी और तथ्यों के आधार पर उचित कार्रवाई की जाएगी।

अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि मनोज कुशवाह की मौत किन परिस्थितियों में हुई? क्या यह हादसा है या इसके पीछे कोई अन्य वजह है? इसका खुलासा पुलिस जांच और पोस्टमार्टम एवं अन्य फॉरेंसिक साक्ष्यों के आधार पर ही हो सकेगा। फिलहाल परिजन न्याय की मांग कर रहे हैं और पुलिस जांच पर सभी की निगाहें टिकी हुई हैं।

निरीक्षण सकूल की साइंस लैब से छात्रावास, राशन दुकान और स्वास्थ्य केंद्र तक पहुंचे कलेक्टर

कलेक्टर ने केसूर में परखी सरकारी व्यवस्थाएं

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

धार। मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के तहत प्रशासनिक व्यवस्थाओं को परखन के उद्देश्य से कलेक्टर राजीव रंजन मीना ने ग्राम सादलपुर एवं केसूर में विभिन्न शासकीय संस्थानों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने स्कूल की शैक्षणिक व्यवस्थाओं से लेकर छात्रावास में विद्यार्थियों को मिलने वाली सुविधाओं, उचित मूल्य दुकान पर खाद्यान्न वितरण और स्वास्थ्य केंद्र में मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही सेवाओं की जमीनी हकीकत जानी।

कलेक्टर ने सादलपुर स्थित पीएम श्री एकीकृत शासकीय हाई स्कूल का निरीक्षण कर शैक्षणिक गतिविधियों की जानकारी ली। उन्होंने विद्यालय की साइंस लैब में पहुंचकर उपलब्ध उपकरणों और प्रयोग संबंधी संसाधनों का अवलोकन किया।

विद्यार्थियों से प्रयोगों के संबंध में चर्चा भी की

इस दौरान विद्यार्थियों से प्रयोगों के संबंध में



चर्चा भी की और उनके द्वारा दी गई जानकारी की सराहना की। उन्होंने शिक्षा की गुणवत्ता के साथ विद्यार्थियों को व्यावहारिक ज्ञान उपलब्ध कराने पर जोर दिया।

इसके बाद कलेक्टर केसूर स्थित शासकीय सीनियर जनजातीय बालक छात्रावास पहुंचे। यहां उन्होंने विद्यार्थियों से सीधे संवाद कर भोजन की गुणवत्ता, आवासीय सुविधाओं और अन्य बुनियादी व्यवस्थाओं की जानकारी ली। विद्यार्थियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं के संबंध में भी जानकारी प्राप्त की।

आयुष्मान आरोग्य मंदिर (प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र) के निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने दवाओं की उपलब्धता, मरीजों को दी जा रही उपचार सुविधाओं और परिसर की स्वच्छता व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि आमजन को समय पर बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं और आवश्यक दवाएं उपलब्ध कराई जाएं।

राशन दुकान पर स्टॉक पंजी का अवलोकन किया

शासकीय उचित मूल्य दुकान पर खाद्यान्न वितरण व्यवस्था की जांच करते हुए स्टॉक पंजी का अवलोकन किया। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि पात्र हितग्राहियों को निर्धारित मात्रा में समय पर राशन उपलब्ध कराया जाए। वितरण व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। निरीक्षण के अंत में कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं और सेवाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों, विद्यार्थियों एवं आम नागरिकों तक समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण तरीके से पहुंचे। उन्होंने शासकीय संस्थानों में व्यवस्थाओं को बेहतर बनाए रखने और जिम्मेदारी के साथ कार्य करने पर जोर दिया। निरीक्षण के दौरान संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

न्यायोत्सव में हुई मैराथन दौड़

खंडवा। न्यायोत्सव विधिक सेवा सप्ताह के अंतर्गत जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, खंडवा द्वारा आमजन को उनके विधिक अधिकारों, निःशुल्क विधिक सहायता एवं शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से शुक्रवार को जनजागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया गया। मैराथन दौड़, विधिक जागरूकता प्रदर्शनी एवं बाइक रैली ने न्यायिक संस्थाओं और आमजन के बीच जागरूकता का संदेश दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश संजीव श्रीवास्तव द्वारा मैराथन दौड़ को हरी झंडी दिखाकर किया गया।

मैराथन दौड़ में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने प्रशस्ति पत्र एवं पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। न्यायोत्सव के अंतर्गत विधिक जागरूकता प्रदर्शनी का



भी आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न शासकीय एवं सामाजिक संस्थाओं ने अपने-अपने विभागों द्वारा संचालित योजनाओं, सेवाओं एवं जनकल्याणकारी गतिविधियों की जानकारी आमजन को प्रदान की। प्रदर्शनी में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, खंडवा, महिला एवं बाल विकास विभाग, बाल कल्याण समिति, स्वास्थ्य विभाग, नगर निगम, सामाजिक कल्याण विभाग, साइबर सेल, यातायात विभाग तथा मोतीलाल नेहरू लॉ कॉलेज की लीगल एड क्लिनिक द्वारा सहभागिता की गई। संबंधित विभागों ने अपने स्टॉल के माध्यम से नागरिकों को उनके अधिकारों, उपलब्ध सुविधाओं, सरकारी योजनाओं, निःशुल्क विधिक सहायता, महिला एवं बाल संरक्षण, साइबर अपराधों से बचाव तथा यातायात नियमों के संबंध में उपयोगी जानकारी प्रदान की।

दिव्यांग को ट्राईसाइकिल

कार्यक्रम के दौरान प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश संजीव श्रीवास्तव द्वारा एक बालक को ट्राईसाइकिल प्रदान की गई। शाम को विधिक जागरूकता बाइक रैली का आयोजन किया गया। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री संजीव श्रीवास्तव ने हरी झंडी दिखाकर बाइक रैली को रवाना किया। रैली से आम नागरिकों को विधिक सेवा प्राधिकरण की भूमिका बताई गई।

अगले माह होनी थी बेटे की शादी, परिवार में मां-बेटे ही थे दो सदस्य. कचूमर बनी कार

भीषण सड़क हादसे में मां-बेटे की दर्दनाक मौत, करौंदिया गांव में पसरा मातम

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

महेश्वर। धामनोद-महेश्वर मार्ग पर शुक्रवार दोपहर करीब 11:45 बजे एक भीषण सड़क हादसे में मां और बेटे की दर्दनाक मौत हो गई। हादसा ग्राम खराड़ी के समीप सनातन होटल के पास हुआ, जहां धामनोद से महेश्वर की ओर आ रही चार पहिया वाहन सामने से आ रहे एक भारी वाहन से टकरा गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि चार पहिया वाहन के परखच्चे उड़ गए।

जानकारी के अनुसार ग्राम करौंदिया निवासी मोनेश पाटीदार अपनी मां स्वाति पाटीदार (45 वर्ष) के साथ धामनोद से अपने गृह ग्राम करौंदिया लौट रहे थे। इसी दौरान रास्ते में यह दर्दनाक हादसा हो गया। दुर्घटना की सूचना मिलते ही महेश्वर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। वाहन में बुरी तरह फंसे मां-बेटे को जेसीबी की सहायता से बाहर निकाला गया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र महेश्वर पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद दोनों को मृत घोषित कर दिया



अगले माह होनी थी शादी खुशियां मातम में बदलीं

इस हादसे ने ग्राम करौंदिया सहित पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया है। सबसे दुखद पहलू यह है कि मोनेश और उनकी मां स्वाति ही परिवार में दो सदस्य थे। दोनों गांव में साथ रहकर खेती-किसानी का कार्य करते थे। बताया जा रहा है कि मोनेश की शादी अगले माह मंडलेश्वर के एक पाटीदार परिवार में तय हुई थी। शादी की तैयारियों को लेकर ही मां-बेटे धामनोद गए थे और वापस लौटते समय काल ने दोनों को अपने आगोश में ले लिया।जिस घर में अगले माह शादी की शहनाइयां गूंजने वाली थीं, वहां अब मातम छा गया है। मां-बेटे की एक साथ असमय मौत की खबर से ग्राम करौंदिया में सन्नाटा पसरा हुआ है। पूरे क्षेत्र में शोक की लहर है।

हादसे में कार का भी कचूमर निकल गयाहै। हादसे का कारण सामने नहीं आया है। महेश्वर पुलिस ने दुर्घटना के संबंध में प्रकरण दर्ज कर मामले को जांच में लिया है।

बच्चों की माताओं से चर्चा कर ली व्यवस्थाओं की जानकारी

कलेक्टर डॉ. मीना ने शासकीय अस्पताल सुसनेर में पोषण पुनर्वास केंद्र का किया आकस्मिक निरीक्षण

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

आगरमालवा। कलेक्टर डॉ. शेर सिंह मीना ने जन विश्वास अभियान के तहत शासकीय चिकित्सालय सुसनेर पहुंचकर शुक्रवार को पोषण पुनर्वास केंद्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर डॉ. मीना ने सैम एवं मैम श्रेणी के बच्चों की स्वास्थ्य देखभाल का जायजा लिया। उन्होंने केंद्र में भर्ती बच्चों के स्वास्थ्य, वजन, पोषण आहार तथा चिकित्सकीय देखभाल की व्यवस्था के बारे में बच्चों की माताओं और संबंधित अधिकारियों से विस्तृत जानकारी ली।

कलेक्टर डॉ. मीना ने पोषण पुनर्वास केन्द्र में भर्ती 11 बच्चों की माताओं से चर्चा कर बच्चों के वजन और डाईट की जानकारी ली तथा भर्ती बच्चों और उनकी माताओं को निर्धारित सुपोषण डाईट उपलब्ध कराने के निर्देश



दिए। कलेक्टर ने पोषण पुनर्वास केन्द्र में नियमित रूप से पर्याप्त साफ-सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने के निद्रेश भी दिए।

बच्चों को पोषण पुनर्वास केंद्र में भर्ती करवाया जाए

कलेक्टर डॉ. शेर सिंह मीना ने निर्देश दिए कि आंगनबाड़ी कार्यकताओं के माध्यम से अधिकाधिक बच्चों को पोषण पुनर्वास केंद्र में भर्ती करवाया जाए तथा उनकी समुचित स्वास्थ्य देखभाल की जाए। उन्होंने बच्चों के सुपोषण स्तर में सुधार के लिए नियमित निगरानी, संतुलित आहार तथा आवश्यक चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए। कलेक्टर डॉ. मीना ने सुसनेर के शासकीय अस्पताल के आपातकालीन वार्ड का भी निरीक्षण किया और उपलब्ध चिकित्सा सुविधाओं का विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देश दिए कि वे अस्पताल आने वाले मरीजों को स्थानीय स्तर पर ही पर्याप्त चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। बगैर किसी उचित कारण के किसी भी मरीज को अन्य उच्च संस्थाओं के लिये रैफर नहीं किया जाए।

जांच, दवाईयों की उपलब्धता की ली जानकारी

कलेक्टर ने चिकित्सकों से अस्पताल में जांच की सुविधा, दवाईयों की उपलब्धता एवं स्टॉक आदि के बारे में भी जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिए कि जो दवाईयाँ स्टॉक में खत्म हो जाती है, उनकी मांग कर तत्काल दवाईयों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए।

इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ श्री बी.एस. सोलंकी, डिप्टी कलेक्टर सुश्री अर्पिता राय, जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री राजीव गुप्ता एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. दिनेश देहरवाल एवं अन्य चिकित्सक एवं महिला बाल विकास विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

पानी की ठेल में डूबा दो साल का मासूम, मौत

शाजापुर। जिले के अकोदिया के ग्राम बड़ोद राणा खेड़ा में शुक्रवार को दो साल के बालक की पानी में डूबने से मौत हो गई। बालक घर के आसपास खेल रहा था। इसी दौरान वह पशुओं के लिए पानी भरकर रखी गई ठेल (टैंक) में गिर गया। कुछ देर तक परिवार को घटना का पता नहीं चला। परिजन उसे ठेल से निकालकर अकोदिया सिविल अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टर ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया।

जानकारी के अनुसार गांव के शिक्षक देवजी राजपूत के बेटे मोहन का दो वर्षीय बालक घर के आसपास खेल रहा था। इसी दौरान दोपहर करीब 12 बजे वह पानी से भरी ठेल में जा गिरा। जब परिजनों को घटना का पता चला तो वे उसे बाहर निकालकर तत्काल अकोदिया सिविल अस्पताल पहुंचे। अस्पताल में डॉक्टर ने बालक की जांच की और उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद भी परिजन मानने को तैयार नहीं थे। वे उसे जीवित मानकर उपचार के लिए दोपहिया वाहन से शुजालपुर के एक निजी अस्पताल ले जाने के लिए रवाना हो गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

होटल-रेस्टोरेंट पर कार्रवाई के बाद भी निगरानी पर सवाल

शिकायतों पर अधिकारियों की चुप्पी क्यों?

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

खरगोन। शहर में होटल एवं रेस्टोरेंट संचालकों के खिलाफ प्रशासन की कार्रवाई इन दिनों चर्चा का विषय बनी हुई है। खाद्य सुरक्षा एवं संबंधित विभागों द्वारा 15 से अधिक नामी होटल-रेस्टोरेंट के लाइसेंस निलंबित किए जाने की खबर सामने आई है। वहीं अग्रवाल होटल को भी 15 दिनों के लिए बंद किया गया है।

लेकिन इस कार्रवाई के बीच एक बड़ा सवाल यह है कि क्या प्रशासन की जिम्मेदारी केवल होटल बंद करवाने तक सीमित है या नियमों का पालन सुनिश्चित करने के लिए नियमित निगरानी भी की जा रही है? शिकायतकर्ता का कहना है कि कुछ प्रतिष्ठानों में नियमों के पालन को लेकर अधिकारियों को शिकायतें की गईं, लेकिन शिकायत के बाद भी अपेक्षित कार्रवाई नहीं हुई। ऐसे में आम नागरिकों के मन में सवाल उठना स्वाभाविक है कि आखिर शिकायतों पर सुनवाई कब होगी?

नियमानुसार जांच और कार्रवाई की प्रक्रिया जारी रहनी चाहिए

प्रशासन द्वारा जिन होटलों पर कार्रवाई की गई है, उनके मामलों में नियमानुसार जांच और कार्रवाई की प्रक्रिया जारी रहनी चाहिए। साथ ही अन्य होटल एवं रेस्टोरेंट की भी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए, ताकि



किसी के साथ भेदभाव न हो। अब नजरें जिला प्रशासन और कलेक्टर की भूमिका पर हैं। क्या शिकायतों की जांच कर जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय होगी? क्या सभी होटल एवं रेस्टोरेंट में एक समान नियम लागू होंगे?सवाल होटल बंद करने का नहीं, बल्कि नियमों का समान रूप से पालन कराने और शिकायतों पर जवाबदेही तय

निमाड़ उत्सव 24 नवंबर से, घाट क्षेत्र में चलाया गया विशेष स्वच्छता अभियान

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

महेश्वर। आगामी 24, 25 एवं 26 नवंबर को आयोजित होने वाले निमाड़ उत्सव को लेकर नगर परिषद महेश्वर द्वारा तैयारियाँ तेज कर दी गई हैं। उत्सव में आने वाले श्रद्धालुओं, पर्यटकों एवं नगरवासियों को स्वच्छ एवं सुव्यवस्थित वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से घाट क्षेत्र में विशेष अभियान चलाया गया।

नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती अलका गजराज यादव की प्रेरणा एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्री प्रियंक पांड्या के मार्गदर्शन में नगर परिषद की टीम द्वारा घाट क्षेत्र की दुकानों को हटवाकर स्थान को व्यवस्थित किया गया। साथ ही विशेष स्वच्छता अभियान चलाकर घाट परिसर की साफ-सफाई की गई।



व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा

उल्लेखनीय है कि निमाड़ उत्सव के अवसर पर महेश्वर में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों के आगमन को देखते हुए नगर परिषद द्वारा घाटों की स्वच्छता, नगर की सुंदरता एवं बेहतर व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। नगर परिषद महेश्वर का यह प्रयास ऐतिहासिक एवं धार्मिक नगरी महेश्वर को स्वच्छ, सुंदर एवं व्यवस्थित बनाए रखने के साथ-साथ निमाड़ उत्सव को सफल एवं सुव्यवस्थित बनाने की दिशा में एक सराहनीय पहल है। दूसरी ओर पर्व को लेकर नागरिकों में भी विशेष उत्साह देखने को मिल रहा है।

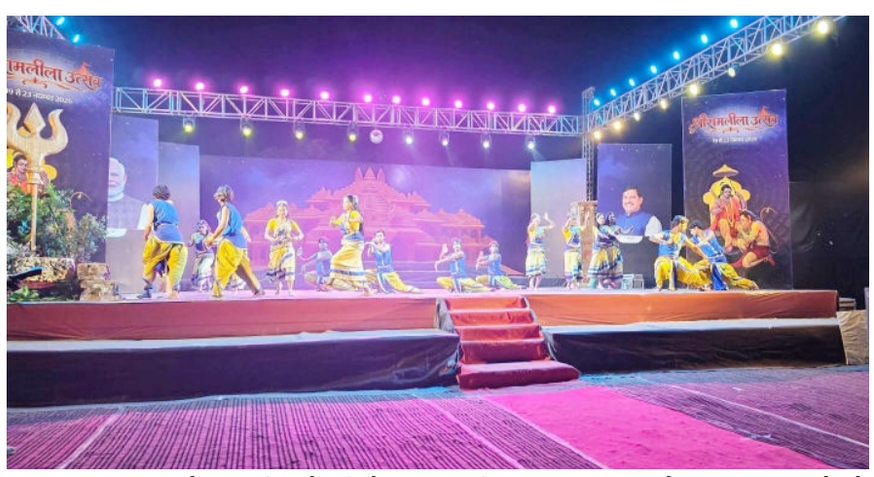
रामायण के विभिन्न प्रसंगों का किया मंचन

मां बगलामुखी मंदिर पर पांच दिवसीय रामलीला महोत्सव का भव्य शुभारंभ

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

नलखेड़ा। विश्व प्रसिद्ध सिद्धपीठ मां बगलामुखी मंदिर परिसर में गुरुवार को पांच दिवसीय मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम जी के लीला महोत्सव का भव्य शुभारंभ हुआ। महोत्सव के प्रथम दिन बाहर से आए मंडल के कलाकारों ने रामायण के विभिन्न प्रसंगों का आकर्षक एवं जीवंत मंचन कर उपस्थित श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। रामलीला महोत्सव के दौरान पूरे समय वातावरण धर्ममय बना रहा। इस दौरान विभिन्न प्रसंगों के मंचन के बीच भक्तों की आँखें नम हो गई तो वह भाव विभोर होते हुए भी देखने को मिले।

प्रदेश सरकार के संस्कृति विभाग द्वारा जिला प्रशासन के सहयोग से मां बगलामुखी मंदिर के आंगन में इस धार्मिक



एवं सांस्कृतिक आयोजन की शुरूआत की गई। कार्यक्रम का आयोजन गुरुवार रात्रि 7:30 बजे मां बगलामुखी मंदिर अध्यक्ष रोहित सकलेचा, जिला मंत्री पवन वेदिया, नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि विजय सोनी, पार्षद गोवर्धन वेदिया एवं पार्षद प्रतिनिधि राकेश गवली द्वारा दीप प्रज्जवलन कर किया गया।

शंकर विवाह, श्रीराम जन्म का प्रभावी मंचन

इसके पश्चात विशाल मंच पर बाहर से आए कलाकारों ने रामायण के विभिन्न प्रसंगों का शानदार मंचन किया। प्रथम दिवस कलाकारों ने भगवान शंकर जी विवाह, श्रीराम जन्म, ताड़का वध एवं अहिल्या उद्धार जैसे प्रसंगों को प्रभावशाली अभिनय और सुंदर प्रस्तुति के माध्यम से साकार किया।

कलाकारों की प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोह

श्री रामलीला के मंचन को देखने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं नगरवासी उपस्थित रहे। धार्मिक वातावरण और कलाकारों की शानदार प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोह लिया। मंदिर परिसर में इस पांच दिवसीय यह रामलीला महोत्सव क्षेत्र में धार्मिक आस्था के साथ भारतीय संस्कृति एवं मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने का माध्यम बनेगा। श्रीरामलीला का मंचन देखने के लिए बड़ी संख्या में भक्तजन पहुँच रहे है। वह कलाकारों की प्रस्तुतियों की जमकर सराहना भी कर रहे है।

आयोजन लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर की 302वीं जयंती पर ें सामाजिक महाकुंभ

ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण का दिया संदेश

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

महेश्वर।पुण्यश्लोक लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर की 302वीं जयंती वर्ष के अवसर पर अखिल भारतीय गड़रिया महासभा के तत्वावधान में एवं भारूड़, धनगर, गारी, मेवाड़े, गूजर, पाल, बघेल, चंदेल, मौर्य, होलकर, यादव, ग्वाला, गवली, गायरी, गाडरी एवं गड़रिया समाज के संयुक्त सहयोग से महेश्वर में भव्य एवं ऐतिहासिक द्वितीय सामाजिक कुंभ का आयोजन किया गया। यह विराट आयोजन बूढ़ीगीन गौशाला के सामने स्थित मैदान में परम पूज्य महायोगी अवधूत दादागुरुजी भगवान के सानिध्य में सम्पन्न हुआ, जिसमें देशभर से बड़ी संख्या में समाजबंधुओं ने सहभागिता की।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि यशवंतराव होलकर, अध्यक्ष खागसी देवी अहिल्याबाई होलकर ट्रस्ट ने अपने प्रेरणादायी संबोधन से समाज के हजारों उपस्थित जनों, विशेषकर युवाओं एवं विद्यार्थियों को शिक्षा, सामाजिक



एकता, विकास और राष्ट्र निर्माण के लिए नई ऊर्जा प्रदान की।

अहिल्याबाई का नाम जन-जन के मन में बसा है: यशवंतराव

अपने उद्बोधन में होलकर ने अखिल भारतीय गड़रिया समाज द्वारा आयोजित इस भव्य महासभा के लिए समाजजनों को बधाई देते हुए कहा कि महेश्वर की यह पावन धरती लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर की कर्मभूमि है और यहां के लोगों के हृदय में आज भी उनके प्रति अपार श्रद्धा और सम्मान विद्यमान है। देवी अहिल्याबाई का नाम केवल इतिहास के पन्नों तक सीमित नहीं, बल्कि जन-जन के मन में बसा हुआ है। होलकर ने महेश्वर किले का उल्लेख करते हुए कहा कि यह किला हमारी गौरवशाली विरासत की सबसे बड़ी निशानी है, किंतु इसके कई हिस्सों को संरक्षण एवं मरम्मत की आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि इस विषय पर उनकी मुख्यमंत्री से चर्चा हो चुकी है और उन्होंने इस दिशा में शीघ्र आवश्यक कदम उठाने का अनुरोध भी किया है। उन्होंने कहा कि ₹अहिल्या लोक₹ परियोजना जितना ही आवश्यक महेश्वर के ऐतिहासिक किले का संरक्षण भी है, ताकि आने वाली पीढ़ियां इस गौरवशाली धरोहर को उसी सम्मान के साथ देख सकें। उन्होंने कहा कि यही देवी अहिल्याबाई होलकर के प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

अहिल्याबाई का जीवन सुशासन जनकल्याण का अनुपम उदाहरण

कार्यक्रम में विधायक सचिन यादव ने कसरावद में धर्मशाला निर्माण की घोषणा करते हुए कहा कि लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर का जीवन त्याग, सेवा, न्याय, सुशासन और जनकल्याण का अनुपम उदाहरण है। महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष मोती श्रीपाल ने कहा कि अहिल्याबाई होलकर के आदर्श आज भी समाज को दिशा देने का कार्य कर रहे हैं। कार्यक्रम में विधायक राजकुमार मेव, राष्ट्रीय महामंत्री राजेश श्रीपाल, प्रदेश अध्यक्ष संतोष पाल, वरिष्ठ समाजसेवी नर्मदा प्रसाद धनगर, संयोजक गणेश पटेल सहित विभिन्न समाजों के प्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। संचालन राष्ट्रीय महामंत्री राजेश श्रीपाल और जिला पंचायत सदस्य जितेंद्र पटेल ने किया ।

लखुंदर नदी के किनारे मुक्तिधाम की स्थिति स्पष्ट करने तहसीलदार को पत्र

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

नलखेड़ा। नगर के हिन्दू समाज का मुक्तिधाम माँ बगलामुखी मंदिर के समीप लखुंदर नदी के किनारे पर स्थित है। इस स्थान पर लखुंदर नदी पर एक पुलिया का निर्माण कार्य प्रचलित है। साथ ही इस स्थान पर माँ बगलामुखी लोक से जुड़े कार्य भी प्रस्तावित है।

ऐसे में उक्त मुक्तिधाम की स्थिति क्या होगी इस संबंध में समाजजनों में विभिन्न प्रकार की चचाएँ हो रही है। जिस स्थान पर पुलिया का निर्माण हो रहा है उसे देखते हुवे मुक्तिधाम या तो खत्म होता दिखाई दे रहा है या अनुपयोगी होता दिखाई दे रहा है। ऐसी परिस्थिति में समाजजनों के सामने अपने परिजनों के अंतिम संस्कार करने का एक विकट संकट खड़ा हो सकता है। इस संबंध में शुक्रवार को जन समस्या निवारण मंच के संयोजक एडवोकेट लोकेश गुप्ता द्वारा स्थानीय तहसीलदार प्रियंक श्रीवास्तव को एक पत्र सौपकर श्मशान के बारे में समाज को स्थिति स्पष्ट करने की मांग की गई है।

श्मशान का मार्ग बगैर किसी बाधा व सीधा व सपाट हो

पत्र में बताया गया कि विश्व प्रसिद्ध सिद्धपीठ माँ बगलामुखी मंदिर से जुड़े इस पुरातन काल के मुक्तिधाम की स्थिति क्या रहेगी इस संबंध में प्रशासन को हिन्दू समाजजनों के सामने स्पष्ट की जाना चाहिए। इसके साथ ही पुलिया निर्माण एवं बगलामुखी लोक के निर्माण के बाद श्मशान का मार्ग बगैर किसी बाधा व सीधा व सपाट हो इस बात का भी ध्यान रखा जाए।

शक्तिपीठ के आसपास श्मशान होना अनिवार्य है

पत्र में उक्त श्मशान की महत्ता दशार्ते हुवे बताया गया कि धार्मिक मान्यताओं के अनुसार किसी भी शक्तिपीठ के आसपास श्मशान होना अनिवार्य होता है,और नलखेड़ा में स्थित विश्व प्रसिद्ध सिद्धपीठ माँ बगलामुखी मंदिर के आसपास चारो दिशाओं में श्मशान स्थित है जिसके चलते माँ बगलामुखी मंदिर सिद्धियाँ प्राप्त करने व भक्तों की मनोकामना पूर्ण करने के लिए विश्व भर में प्रसिद्ध है।

श्री गुप्ता ने पत्र में मांग की गई कि सिद्धपीठ से धार्मिक मान्यताओं के साथ जुड़े उक्त मुक्तिधाम की भविष्य की स्थिति पर समाजजनो के सामने स्थिति स्पष्ट करने की मांग की गई। अन्यथा किसी भी दिन समाजजनों का आक्रोश फूट सकता है।

कालिदास समारोह के उपलक्ष्य में निकाली गई कलश यात्रा

यात्रा के माध्यम से दिया गया लोगों को आमंत्रण

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

उज्जैन। 21 नवंबर से शुरू हो रहे सात दिवसीय अखिल भारतीय कालिदास समारोह की पूर्व संध्या पर शुक्रवार को भव्य और परंपरागत कलश यात्रा निकाली गई। समारोह के विधिवत आगाज से एक दिन पहले आयोजित इस सांस्कृतिक यात्रा के माध्यम से शहरवासियों को इस प्रतिष्ठित आयोजन में शामिल होने का आत्मीय निमंत्रण दिया गया।

शुक्रवार सुबह कार्यक्रम की शुरूआत मोक्षदायिनी शिप्रा नदी के पावन रामघाट से हुई, जहां वैदिक मंत्रोच्चार के बीच मंगल कलश का विधिवत पूजन किया गया। इसके पश्चात शहर के हृदय स्थल टॉवर चौक से कलश यात्रा का शुभारंभ हुआ। गौरतलब है कि आगामी सिंहस्थ महापर्व के मद्देनजर शहर में चल रहे निर्माण कार्यों के कारण कई प्रमुख मार्ग अवरुद्ध हैं, जिसके चलते प्रशासन और आयोजन समिति द्वारा इस बार यात्रा के पारंपरिक मार्ग में बदलाव किया गया। टॉवर चौक से प्रारंभ हुई यह यात्रा फ्रीगंज, देवास रोड और दशहरा मैदान होते



हुए कालिदास अकादमी परिसर पहुंचकर संपन्न हुई।

मालवी लोक संस्कृति की अनुपम छटा बिखरी

कलश यात्रा के दौरान पूरे मार्ग में मालवी लोक संस्कृति की अनुपम छटा बिखरी नजर आई। पारंपरिक रंग-बिरंगी वेशभूषा में सजे मालवी लोक कलाकारों ने ढोल और झांझ की मधुर थाप पर मनमोहक लोक नृत्य प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। यात्रा के स्वागत में पूरे मार्ग पर जगह-जगह आकर्षक रंगोलियां सजाई गई थीं, जिससे पूरा वातावरण उत्सवमय हो गया। इस गौरवशाली अवसर पर कालिदास अकादमी के निदेशक गोविंद गंधे, विक्रम विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अर्पण भारद्वाज सहित शहर के कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

कालिदास समारोह का औपचारिक शुभारंभ आज

शनिवार से सात दिवसीय अखिल भारतीय कालिदास समारोह का औपचारिक शुभारंभ होने जा रहा है। समारोह में प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत सहित कई विशिष्ट अतिथि शिरकत करेंगे। आगामी सात दिनों तक चलने वाले इस महाकुंभ में देशभर से आए कला, संस्कृति और साहित्य जगत के ख्यातिप्राप्त कलाकार अपनी विविध प्रस्तुतियों से कला प्रेमियों को मंत्रमुग्ध करेंगे।

श्री गुरुनानक देव जयंती 22 को

उज्जैन। श्री गुरु नानक देव साहिब का 557वां प्रकाश पर्व शहर में 22 से 24 नवंबर तक तीन दिवसीय धार्मिक आयोजनों के साथ धूमधाम से मनाया जाएगा। इस दौरान निकलने वाले नगर कीर्तन में संगत विशेष ड्रेस कोड पुरुष बसंती (पीले) दस्तार और महिलाएं सफेद वस्त्रों में सजी नजर आएंगी। वहीं, 24 नवंबर को मुख्य प्रकाश पर्व और कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर सभी धर्मों के 25 से 30 हजार श्रद्धालुओं के लिए निशुल्क अटूट लंगर की महाप्रसादी भी वितरित की जाएगी।

बाबा कश्मीर सिंह कार सेवा भूरीवाले और बाबा सुखविंदर सिंह के मार्गदर्शन में होने वाले इस आयोजन की शुरूआत 22 नवंबर को सुबह 6 बजे कालिदास उद्यान) में सभी गुरुद्वारों की प्रभात फेरियों के मिलन से होगी। मुख्य पर्व पर शहर के सभी गुरुद्वारों को फूलों और रंग-बिरंगी लाइटों से सजाया जाएगा। साथ ही रात में दीपमाला और आकर्षक आतिशबाजी भी की जाएगी। गुरुद्वारा गुरु नानक घाट के प्रमुख बाबा त्रिलोचन सरपंच ने बताया कि तैयारियों के लिए अलग-अलग समितियों का गठन किया गया है। तीनों दिन जसविंदर सिंह, बलदेव सिंह ओगरा और ज्ञानी सुरजीत सिंह गुरबाणी कीर्तन व गुरमत विचार की सेवा देंगे।

गौधूलि बेला में हुआ भगवान शालिगराम एवं माता तुलसी जी का विवाह

धूमधाम के साथ उठाए गए देव, देर रात तक आतिशबाजी

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

उज्जैन। कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी यानी देवउठनी (प्रबोधिनी) एकादशी का पर्व शुक्रवार को धूमधाम के साथ मनाया गया। उठो देव, बैठो देव, पांवडे चटकाओ देव ... के मंगल गीत के साथ जगत के पालनहार भगवान विष्णु जी को चार महीने की योगनिद्रा से जगाया गया। देव जागने के साथ देर रात तक आतिशबाजी का आनंद लिया गया। इसी के साथ ही धार्मिक कार्यों पर लगा चार माह का प्रतिबंध समाप्त हो गया है। इसी के साथ चातुर्मास का समापन होगा और विवाह, गृह प्रवेश, गृह आरंभ, यज्ञोपवीत और देव प्रतिष्ठा जैसे मांगलिक कार्यों की शुरूआत हो जाएगी।

हालांकि, इस बार गुरु की अतिचार गति के कारण विवाह के मुहूर्त कम हैं। देवउठनी एकादशी के दिन विवाह का मुहूर्त नहीं है, लेकिन परंपरागत रूप से कई लोग इस दिन को अबूझ मुहूर्त मानकर शुभ कार्य और संकल्प संपन्न करेंगे। पंचांग की गणना के अनुसार, 20 नवंबर को रवियोग का संयोग है। शाम को गोधूलि बेला और प्रदोष काल में तुलसी-शालिग्राम विवाह की परंपरा निभाई गई। इस अवसर पर घरों और मंदिरों में भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की विशेष पूजा-अर्चना की गई।



चार महीने बाद सृष्टि का प्रभार भगवान शिव जी ने हरि को सौंपा

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, देवशयनी एकादशी से देवउठनी एकादशी तक भगवान विष्णु योगनिद्रा में रहते हैं।इस अवधि में सृष्टि के संचालन का दायित्व भगवान शिव के हाथों में रहता है। चार महीने बाद कार्तिक शुक्ल एकादशी पर भगवान विष्णु के जागने के साथ ही सृष्टि का प्रभार फिर उनके हाथों में आ जाता है। चातुर्मास के दौरान साधु-संत, संन्यासी और उपासक साधना-उपासना के साथ कल्पवास करते हैं। इस अवधि को आध्यात्मिक उन्नति और धार्मिक नियमों के पालन के लिए विशेष माना जाता है। पौराणिक मान्यता के अनुसार, भगवान विष्णु राजा बलि का आतिथ्य स्वीकार करने के लिए पाताल लोक गए थे। देवउठनी एकादशी पर वे वहां से लौटकर फिर सृष्टि के संचालन का दायित्व संभालते हैं। इसी मान्यता के कारण सनातन धर्म में इस दिन का विशेष महत्व है।

विवाह से लेकर गृह प्रवेश तक के शुभ मुहूर्त शुरू

देवउठनी एकादशी से विवाह, यज्ञोपवीत, मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा, गृह आरंभ और गृह प्रवेश जैसे मांगलिक कार्यों के मुहूर्त शुरू हो जाते हैं।हालांकि, इस बार गुरु की अतिचार गति के कारण विवाह के मुहूर्त सीमित हैं।

कुछ पंचांगों में गुरु के सिंह राशि में परिभ्रमण को देखते हुए शुरूआती मुहूर्त शामिल नहीं किए गए हैं, जबकि कुछ पंचांगों में उन्हें स्थान दिया गया है।

गौरक्षकों ने पीछा कर पकड़ा लोडिंग वाहन

वाहन में मिले दो मवेशी, चालक को किया गिरफ्तार

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

शाजापुर। जिला मुख्यालय के पास नेशनल हाईवे-52 पर गौरक्षा संगठन के सदस्यों ने पीछा कर एक लोडिंग वाहन पकड़ा। वाहन में दो गौवंश मिले। पुलिस ने चालक को गिरफ्तार कर लोडिंग वाहन काके भी जब्त कर लिया है। इन मवेशियों को बुरहानपुर ले जाया जा रहा था।

गौरक्षा सेना के लोकेश दड़िया के मुताबिक संगठन के सदस्यों को वाहन में गौवंश के अवैध परिवहन की सूचना मिली थी। उन्होंने टुकराना जोड़ के पास वाहन रोकने की कोशिश की, लेकिन चालक ने रफ्तार बढ़ा दी। संगठन के सदस्यों ने वाहन का पीछा किया और भैरव डूंगरी के पास उसे रोक लिया। तलाशी में वाहन के अंदर दो गौवंश मिले। बताया जा रहा है कि उन्हें इंदौर के रास्ते बुरहानपुर ले जाया जा रहा था। सूचना मिलने पर लालघाटी थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने लोडिंग वाहन जब्त कर दोनों गौवंश को अपने कब्जे में लिया। लालघाटी थाना प्रभारी हेमंत पटेल ने बताया कि पुलिस ने चालक दयाराम परमार को गिरफ्तार किया है। वह बिचौली हफ्सी का रहने वाला है। पुलिस उससे गौवंश के परिवहन और मामले से जुड़े अन्य पहलुओं पर पूछताछ कर रही है। मामले की जांच की जा रही है।

गौरी ब्यूटी क्रीम व चांदनी व्हाइटनिंग क्रीम के विक्रय एवं संधारण पर प्रतिबंध

अधिकारियों ने की दुकानों की जांच

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

शाजापुर। जिले में दवाओ के विक्रय में सतत निगरानी एवं प्रतिबंधित सौंदर्य प्रशाधन सामग्री (कॉस्मेटिक) के विक्रय की रोकथाम के लिए खाद्य एवं औषधी प्रशासन विभाग द्वारा जिला मुख्यालय सहित जिले के विभिन्न क्षेत्रों की कॉस्मेटिक दुकानों का निरीक्षण कर क्रीम के विक्रय व संधारण की जांच की। अधिकारियों ने दुकानदारों को निर्देशित भी किया।

कलेक्टर डॉ. परिक्षित संजयराव झाड़े के आदेशानुसार एवं सीएमएचओ डॉ. कमला आर्य के निर्देशन में प्रतिबंधित कास्मेटिक गोरी ब्यूटी क्रीम एवं चांदनी व्हाइटनिंग क्रीम के विक्रय एवं संधारण की रोकथाम के लिए शाजापुर स्थित मैसर्स लोटस फैशन, मै. सलोनी बैंगल्स एवं कोस्मेटिक सोमवारिया बाजार शाजापुर, मैसर्स आकर्षण स्टोर्स छोटा चौक शाजापुर, मैसर्स भाई भाई कास्मेटिक स्टोर्स एवं अरिहंत जनरल स्टोर्स किला गेट शाजापुर का निरीक्षण किया गया। खाद्य एवं औषधि प्रशासन औषधि निरीक्षक ने बताया



कि निरीक्षण के दौरान प्रतिबंधित कास्मेटिक गोरी ब्यूटी क्रीम एवं चांदनी व्हाइटनिंग कीम संधारित्र नहीं पायी गई।

जांच के लिए लिया नमूना

इस तारतम्य में मैसर्स आनन्द श्री फार्मा पाटीदार धर्मशाला के पास शाजापुर से कैलाप्योर-केलामाइन लोशन, सरकोरिल एलएस सीरप 100 एमएल एवं डी.एफ.ओ. न्यूरो जेल का नमूना जांच हेतु लिया गया। शुजालपुर स्थित विराट इंटरप्राइजेस लोहिया मार्ग शुजालपुर से कास्मेटिक व्हाइट टोन फेस क्रीम एवं जाय हनी एण्ड अलमोण्ड बोडी लोशन का नमूना जांच के लिए लिया गया। उक्त दवा एवं कॉस्मेटिक नमूनों को जांच/परीक्षण के लिए औषधि परीक्षण प्रयोगशाला भोपाल भेजा गया जांच उपरांत प्रकरण पर नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी। सभी सौंदर्य प्रशाधन सामग्री (कासमेटिक) एवं दवा विकताओं को शासन के आदेशानुसार प्रतिबंधित कास्मेटिक को संधारण एवं विकय ना करने हेतु सूचनार्थ निर्देशित किया गया। उपरोक्त प्रतिबंधित कॉस्मेटिक पाये जाने पर औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम 1940 एवं नियमावली 1945 के तहत नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी।

किसान मोर्चा के मीडिया प्रभारी बने गोविंद शर्मा

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

शाजापुर। भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ. रवि पांडे व भाजपा किसान मोर्चा संभाग प्रभारी शंकरलाल पाटीदार,



सांभाग सह प्रभारी गणपतसिंह आंजना की सहमति से भाजपा किसान मोर्चा के मोर्चा के जिलाध्यक्ष राधेश्याम जाट ने मोर्चा के जिला पदाधिकारियों की घोषणा की। जिसमें वरिष्ठ पत्रकार पं. गोविंद शर्मा को जिला मीडिया प्रभारी पद पर नियुक्त किया गया है। पं. गोविंद शर्मा की नियुक्ति पर वरिष्ठ पार्टी पदाधिकारियों व कार्यकताओं ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

वरिष्ठ पत्रकार पं. गोविंद शर्मा के भाजपा किसान मोर्चा के जिला मीडिया प्रभारी नियुक्त होने पर विधायक अरूण भीमावद ने भी अपने कार्यालय पर पं. शर्मा को पुष्पहार से सम्मानित कर उनके कार्यकाल हेतु शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष पं. आशीष नागर, जिला उपाध्यक्ष शीतल भावसार, कार्यालय मंत्री वीरेंद्र पाटीदार, नगर महामंत्री विकास सिंदल, गोविंद नायक, पार्षद दिनेश सौराष्ट्रीय, महेश कुशवाह, अजय चंदेल, सतीश राठौर, पवन चौहान, रामबाबू शर्मा, अजय उदासी, जीवनसिंह गुर्जर, राजेश बंजारा सहित भाजपा पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित थे।

सर्दी में अलग रंग के स्वेटर पहनने पर विद्यार्थियों को कक्षा में जाने से न रोकें

देवास। सर्दी के मौसम में विद्यार्थियों की सुविधा और स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए विद्यालयों में गणवेश संबंधी नियमों में राहत देने की मांग उठाई गई है। सामाजिक कार्यकर्ता गोपाल अग्रवाल ने स्थानीय शासन एवं प्रशासन से प्रदेश के सभी शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों में विद्यार्थियों के गणवेश प्रोटोकॉल को लेकर जारी निदेर्शों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराने का आग्रह किया है। अग्रवाल ने बताया कि लोक शिक्षण संचालनालय, मध्यप्रदेश शासन, भोपाल के संचालक डी.एस. कुशवाह के पत्र में स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि सर्दी के मौसम में यदि कोई विद्यार्थी किसी दिन निर्धारित गणवेश से अलग रंग या डिजाइन के स्वेटर अथवा गर्म कपड़े पहनकर विद्यालय आता है, तो उसे कक्षा में प्रवेश करने से वंचित नहीं किया जाए। उन्होंने कहा कि कई विद्यालयों में निर्धारित यूनिफॉर्म से अलग रंग या डिजाइन के गर्म कपड़े पहनकर आने वाले विद्यार्थियों को कक्षा में बैठने से रोक दिया जाता है, जो उचित नहीं है। इसी प्रकार कुछ विद्यालयों में विद्यार्थियों को जूते-चप्पल कक्षा के बाहर उतारने के लिए बाध्य किया जाता है

10 विद्यालयों के छात्र-छात्राओं एवं शिक्षक-शिक्षिकाओं ने लिया भाग

सेन्ट्रल इण्डिया एकेडमी में अरुणोदय भारत मंथन की दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

देवास। सेन्ट्रल इण्डिया एकेडमी, देवास में शैक्षणिक गतिविधियों के अंतर्गत अरुणोदय भारत मंथन 2026 (एमयूएन) की दो दिवसीय कार्यशाला का भव्य आयोजन किया गया। कार्यशाला में मुख्य अतिथि एवं वक्ता के रूप में श्रीमती इंदिरा शर्मा (पूर्व प्राचार्या, सरस्वती विद्या मंदिर, देवास), श्रीमती गौरी शेकड़कर (योग शिक्षिका एवं योग के सिद्धांतों तथा अभ्यासों में 30 वर्षों का अनुभव रखने



वाली विशेषज्ञ) तथा श्रीमती राजश्री सोनी (समाजसेवी एवं भारत विकास परिषद की सेवा प्रमुख) उपस्थित रहीं। विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती रीता सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि इस दो दिवसीय कार्यशाला में देवास जिले के 10 सीबीएसई विद्यालयों के छात्र-छात्राओं एवं शिक्षक-शिक्षिकाओं ने सहभागिता की। इनमें सेन्ट्रल इण्डिया एकेडमी, हिमालय एकेडमी, विंध्याचल एकेडमी, सतपुड़ा एकेडमी, किंडर हायर सेकेंडरी स्कूल, फेथ फाउंडेशन ग्लोबल स्कूल, पायोनियर पब्लिक स्कूल, सरस्वती विद्या मंदिर, द डेल्टा स्कूल एवं एबनेजर हायर सेकेंडरी स्कूल शामिल रहे। कार्यशाला का प्रमुख उद्देश्य विद्यार्थियों को भारत के गौरवशाली इतिहास, वीर योद्धाओं, महान गुरुओं, समृद्ध संस्कृति एवं सभ्यता से परिचित कराना तथा उनमें नेतृत्व क्षमता, बौद्धिक विकास, जीवन कौशल, संवाद कला एवं सार्वजनिक मंच पर अपने विचार प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने की क्षमता विकसित करना था। साथ ही वर्ष 2047 तक विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की सक्रिय एवं रचनात्मक भूमिका सुनिश्चित करने के लिए उन्हें प्रेरित करना भी कार्यशाला का महत्वपूर्ण उद्देश्य रहा। कार्यशाला के दौरान विद्यार्थियों ने विभिन्न विषयों पर पक्ष एवं विपक्ष में अपने विचार प्रस्तुत किए।

विकास | **सांसद सोलंकी ने अधिकारियों के साथ स्थान का अवलोकन कर दिए निर्देश**

टाटा चौराहे पर बनेगा देववासिनी माँ तोरणद्वार

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

देवास। इंदौर रोड़ स्थित टाटा चौराहे पर करीब डेढ़ करोड़ की लागत से भव्य देववासिनी तोरण द्वार निर्मित होगा, ताकि इंदौर एवं अन्य स्थलों से आवागमन करने वाले श्रद्धालुओं को देवास में प्रवेश के साथ ही देववासिनी माँ तुलजा भवानी, चामुण्डा माता के शहर में आगमन का अनुभव, आभास हो।

मां देववासिनी तोरण द्वार निर्माण का कार्य शीघ्र ही प्रारंभ होगा। सांसद सोलंकी द्वारा राज्यसभा सांसद सुधीर कुमार की अध्यक्षता में संसद भवन, नई दिल्ली में आयोजित कार्मिक, लोक शिकायत, विधि एवं न्याय संबंधी विभाग-संबंधित संसदीय स्थायी समिति की महत्वपूर्ण बैठक में सहभागिता की। दिल्ली से लौटने के उपरांत सांसद सोलंकी ने बुधवार को मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के उपाध्यक्ष मोहन नागर से भेंट करते हुए



संगठनात्मक कार्यों पर चर्चा की।

20 लाख से किया जाएगा धर्मशाला का निर्माण

शाजापुर क्षेत्र अंतर्गत मगरोला, मायापुर से आए बैस राजपूत समाज कल्याण एवं विकास समिति के प्रतिनिधिमंडल से भेंट करते हुए समाज की धर्मशाला में निर्माण कार्य के लिए सांसद निधि से 20 लाख की राशि स्वीकृत की। इसी प्रकार विश्वकर्मा सुतार समाज, शुजालपुर से आए प्रतिनिधिमंडल से भेंट करते हुए समाज की धर्मशाला निर्माण के लिए सांसद निधि से 7 लाख की स्वीकृत कर प्रदान की। शाम को सांसद सोलंकी नगर निगम के अधिकारियों, इंजीनियर्स के साथ प्रस्तावित देशवासिनी तोरण द्वार स्थल टाटा चौराहे पर पंहुचे। तोरण द्वार स्थल का अवलोकन करते हुए सोलंकी ने द्वार की रूपरेखा, गुणवत्ता एवं आवश्यक व्यवस्थाओं के संबंध में अधिकारियों से विस्तृत चर्चा करते हुए निर्देशित किया कि निर्माण कार्य भव्य, आकर्षक एवं निर्धारित गुणवत्ता के अनुरूप हो, ताकि यह द्वार देवास की सांस्कृतिक पहचान और गौरव का प्रतीक बन सके।

टाटा चौराहे पर प्रस्तावित देववासिनी तोरण द्वार निर्माण का मार्ग प्रशस्त होने पर संस्था देववासिनी के अध्यक्ष दिलीप सिंह जाधव (बाबा साहब), सचिव बंटी मागरोलिया, मनीष जैन, महेश चौहान, जगदीश सेन, कमल शर्मा, मितेश रघुवंशी, संतोष वर्मा, नीरज सिंह चौहान, पंकज सोनी, रितु सावनेर, मुस्कान राठौर, मिथिलेश सोनी, श्रवण सिंह राजपूत, नितिन वर्मा, लक्की मक्कड़, शुभम जाधव, वैदिक जैन, अनुज शर्मा, कृष्णा पटवा एवं समर्थ पांचाल सहित समस्त कार्यकताओं ने हर्ष व्यक्त करते हुए सांसद सोलंकी का आभार व्यक्त किया है। उल्लेखनीय है कि सांसद विकास के लिए लगातार प्रयासरत है।

बच्चों में दिखा गीता के प्रति अनुराग

गीता ओलंपियाड का हुआ आयोजन, उत्साह से लिया गया भाग

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

देवास। विश्व गीता प्रतिष्ठानम केंद्रीय मुख्यालय द्वारा आयोजित गीता ओलंपियाड गीता संस्कृत सामान्य ज्ञान परीक्षा आज विद्यालय स्तर पर सफलतापूर्वक आयोजित की गई। प्रतियोगिता को लेकर बच्चों में खासा उत्साह देखने को मिला

इस दौरान बताया गया कि श्रीमद्भगवद्गीता केवल एक ग्रंथ नहीं जीवन जीने की कला है। कुरुक्षेत्र के रण में भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को जो उपदेश दिया वह आज भी हर मनुष्य को कर्म धर्म और कर्तव्य का मार्ग दिखाता है। गीता कहती है कर्म करो फल की चिंता मत करो इसी दिव्य संदेश को नई पीढ़ी तक पहुँचाने के उद्देश्य से इस परीक्षा का आयोजन किया गया। जिला सहसंयोजक जितेंद्र त्रिवेदी ने बताया कि इस परीक्षा में डाइट कॉलेज देवास, वशिष्ठ



गुरुकुल देवास, हिमालय एकेडमी देवास एवं महाकाल कॉलोनी माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

गीता से जुड़े प्रश्नों के उत्तर दिए गए

बच्चों ने गीता संस्कृत एवं सामान्य ज्ञान से जुड़े प्रश्नों के उत्तर दिए। इस अवसर पर निरीक्षक के रूप में अरविंद शर्मा, जितेंद्र त्रिवेदी, अशोक बुनकर एवं घनश्याम जोशी विद्यालयों में सामग्री, प्रश्नपत्र एवं आवश्यक निर्देश लेकर उपस्थित रहे। उन्होंने बच्चों से संवाद किया, प्रश्न-पत्र एवं परीक्षा सामग्री उपलब्ध कराकर परीक्षा संपन्न कराई। विद्यालय स्तर पर प्रधानाचार्य एवं पर्यवेक्षकों का पूर्ण सहयोग प्राप्त हुआ। प्रत्येक विद्यालय से प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थी अब 30 नवंबर को आयोजित होने वाली जिला स्तरीय परीक्षा में सहभागिता करेंगे।

फतेहगढ़, बमौरी और म्याना के मामलों ने खोली स्वास्थ्य सेवाओं की पोल

कागजों में दावे है बड़े-बड़े, हकीकत में मौत के बाद भी नहीं मिल रहीं एम्बुलेंस

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

गुना। जिले में आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं और एम्बुलेंस व्यवस्था की जमीनी हकीकत एक बार फिर सवालों के घेरे में है। कहीं गंभीर घायल या बीमार मरीज समय पर वाहन न मिलने से जिंदगी की जंग हार रहे हैं, तो कहीं हादसे में जान गंवाने वाले के शव को पोस्टमार्टम तक पहुंचाने के लिए परिजनों को घंटों इंतजार करना पड़ रहा है। फतेहगढ़, बमौरी और म्याना से जुड़े मामलों ने यह साफ कर दिया है कि कागजों में भले ही एम्बुलेंस के बेड़े का दावा किया जाए, लेकिन जरूरतमंदों के वक्त वाहन समय पर नहीं पहुंच रहे हैं। ताजा मामला प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र फतेहगढ़ में एम्बुलेंस सुविधा की कमी का एक और मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार गुरुवार दोपहर करीब 1 बजे जागेश्वरी निवासी रामगोपाल लोधी उर्फ गेंदालाल (29), पिता शंकरलाल लोधी, प्लेटिना बाइक से फतेहगढ़ से अपने गांव लौट रहे थे। जागेश्वरी गांव के पास पुलिया के नजदीक उनकी बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गिर गई, जिससे उनके



सिर पर गंभीर चोट आई। बताया गया कि हादसे के बाद करीब तीन घंटे तक घायल जिंदगी से जद्दोजहद करता रहा। दुर्भाग्यवश युवक ने दम तोड़ दिया, लेकिन इसके बाद भी परेशानियां खत्म नहीं हुईं। शव को पोस्टमार्टम के लिए ले जाने के वास्ते अस्पताल में एम्बुलेंस उपलब्ध नहीं हो सकी। परिजनों को करीब दो घंटे तक शव के साथ इंतजार करने के बाद निजी वाहन से शव को ले जाना पड़ा।

तीन घंटे की जद्दोजहद के बाद मासूम ने तोड़ा दम

एम्बुलेंस न मिलने की लापरवाही पहले भी गंभीर रूप ले चुकी है। बीते सितंबर माह में म्याना सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में एम्बुलेंस की कमी और व्यवस्थागत सुस्ती ने ग्राम बसार निवासी एक परिवार की खुशियां छीन ली थीं। 12 वर्षीय ध्रुव जैन को शुक्रवार सुबह बुखार और गंभीर हालत में म्याना स्वास्थ्य केंद्र लाया गया था। प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उसे जिला अस्पताल गुना रेफर करने की सलाह दी, लेकिन शनिवार सुबह करीब 8 बजे से 11 बजे तक लगातार कोशिशों के बावजूद एम्बुलेंस नहीं मिल सकी। समय पर वाहन न मिलने के कारण करीब तीन घंटे तक तड़पने के बाद ध्रुव ने दम तोड़ दिया। यह घटना आज भी क्षेत्र में सिस्टम की संवेदनहीनता की मिसाल के तौर पर याद की जाती है।

कहीं ऑटो का सहारा, कहीं बाहर दौड़ती गाड़ियां

जिले में पिछले करीब तीन साल से एम्बुलेंस सुविधाओं को लेकर शिकायतें सामने आ रही हैं। जमीनी हालात ऐसे हैं कि कई जगह प्रसूता महिलाओं और गंभीर मरीजों को अस्पताल पहुंचने के लिए ऑटो या अन्य निजी साधनों का सहारा लेना पड़ता है, जबकि कई मामलों में शव के पोस्टमार्टम के लिए घंटों इंतजार करना पड़ता है। दूसरी ओर, स्थानीय स्तर पर यह चर्चा और शिकायत भी आम है कि जिले की करीब 90 प्रतिशत एम्बुलेंस भोपाल और इंदौर के चक्कर लगाती रहती हैं, जिससे स्थानीय केंद्रों पर जरूरत के वक्त गाड़ियों की किल्लत खड़ी हो जाती है।

35 एम्बुलेंस, 4 खराब, 31 ऑन रोड

आंकड़ों के लिहाज से देखें तो जिले में कुल 35 एम्बुलेंस बताई जाती हैं, जिनमें से 4 खराब हैं और 31 ऑन रोड हैं। इसके बावजूद ग्रामीण और कस्बाई इलाकों में समय पर एम्बुलेंस न पहुंचना व्यवस्था पर बड़े सवाल खड़े करता है। सूत्रों का यह भी कहना है कि सरकारी एम्बुलेंस सेवाओं की कार्यप्रणाली में ढिलाई या खामियों का सीधा फायदा निजी एम्बुलेंस संचालकों को मिलता है। नतीजतन, आपात स्थिति में फंसे मरीजों और उनके परिजनों को मजबूरी में निजी वाहनों का सहारा लेना पड़ता है ।

सिस्टम पर उठते सवाल

फतेहगढ़ और म्याना जैसी घटनाओं के बाद यह सवाल गहरा गया है कि आखिर आपातकालीन सेवाओं की निगरानी और तैनाती में कहां चूक हो रही है। जब गंभीर घायल, बीमार बच्चे या मृतक के शव को ले जाने के लिए भी समय पर एम्बुलेंस न मिले, तो आम लोगों का भरोसा डगमगाना स्वाभाविक है। ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों की मांग है कि जिले की एम्बुलेंस की वास्तविक तैनाती और उपलब्धता की सख्त समीक्षा की जाए, ताकि भविष्य में किसी मरीज या परिजन को वाहन के अभाव में जान या सम्मान से जुड़ी परेशानी न उठानी पड़े।

70वीं राज्य स्तरीय बास्केटबॉल प्रतियोगिता का हुआ समापन



मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

गुना। शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में आयोजित 70वीं राज्य स्तरीय शालेय बास्केटबॉल प्रतियोगिता (14 वर्ष बालक-बालिका वर्ग) का शुक्रवार को उत्साहपूर्ण माहौल में समापन हो गया। समापन समारोह में मुख्य अतिथि कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल ने कहा कि खेलों के क्षेत्र में आगे बढ़ने की अपार संभावनाएं हैं और खिलाड़ी पूरे समर्पण, अनुशासन व लगन के साथ प्रयास करें।

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को शील्ड और प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ हुई। जिला शिक्षा अधिकारी समर सिंह राठौर ने आयोजन की रूपरेखा रखी, जबकि शहडोल के कोच के.के. श्रीवास्तव ने खिलाड़ियों के ठहरने, भोजन और अन्य इंतजामों की सराहना की, जिस पर खिलाड़ियों ने तालियां बजाकर समर्थन जताया। कलेक्टर कन्याल ने कहा कि बेहतर व्यवस्थाओं से खिलाड़ियों का पूरा ध्यान खेल पर केंद्रित रहता है। उन्होंने पैरालंपिक में भारतीय खिलाड़ियों की सफलताओं का जिक्र करते हुए आत्मविश्वास और मेहनत पर जोर दिया, साथ ही बताया कि बाहर से आए खिलाड़ियों को टेकरी सरकार के दर्शन और कूनो कैंप जैसे नए अनुभव भी मिले। उन्होंने एक बालिका के अपनी मां और दादी के साथ आने का उल्लेख करते हुए खेलों में परिवार के सहयोग को मनोबल बढ़ाने वाला बताया।

चरित्र संदेह में पति ने कुल्हाड़ी मारकर की पत्नी की हत्या

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

गुना। म्याना थाना क्षेत्र के पिपरिया गांव में गुरुवार रात पति ने पत्नि की कुल्हाड़ी से काटकर नृशंसा हत्या कर दी। इस सनसनीखेज घटना के बाद इलाके में मातम पसर गया है। पुलिस ने शुक्रवार तड़के आरोपी पति को हिरासत में ले लिया है।

जानकारी सामने आई है कि पिपरिया गांव निवासी 45 वर्षीय नारो बाई पत्नी शेखू आदिवासी पर गुरुवार रात करीब 11 बजे कुल्हाड़ी से सिर पर वार किया गया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। बताया जा रहा है कि आरोपी पति शेखू को पत्नी के चरित्र पर संदेह था।

इसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हुआ और वारदात को अंजाम दिया गया। हालांकि, परिजन विवाद की स्पष्ट वजह नहीं बता पा रहे हैं। नारो बाई की चीखें सुनकर



उनके बच्चे जाग गए और रोने लगे। बच्चों के रोने की आवाज सुनकर पड़ोसी मौके पर पहुंचे। सूचना मिलने पर म्याना पुलिस मौके पर पहुंची और शुक्रवार सुबह करीब 4 बजे आरोपी पति को हिरासत में ले लिया। मृतका के परिवार में दो पुत्र और तीन पुत्रियां हैं। तीनों बेटियों की शादी हो चुकी है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है। महिला के शव को गुना जिला अस्पताल लाया गया, जहां शुक्रवार सुबह पोस्टमार्टम के बाद परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया है।

लापता नाबालिग बालक सुरक्षित दस्तयाब परिजनों को सौंपा गया

गुना। कैंट थाना क्षेत्र से लापता हुए 14 वर्षीय नाबालिग बालक को पुलिस ने सुरक्षित दस्तयाब कर परिजनों के सुपुर्द कर दिया है। मामले की जांच की जा रही है।

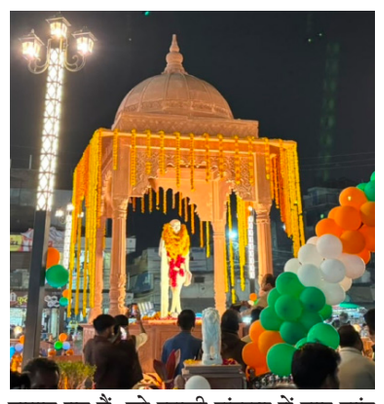
पुलिस के अनुसार, 28 अक्टूबर की दोपहर नाबालिग बालक के लापता होने के बाद 29 अक्टूबर को उसकी मां ने कैंट थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस ने अप.क्र. 1006/26 के तहत धारा 137(2) बीएनएस में मामला दर्ज कर तलाश शुरू की। बालक की खोजबीन के लिए मुखबिर तंत्र को सक्रिय करने के साथ ही तकनीकी संसाधनों की मदद ली गई और संभावित स्थानों पर सघन तलाश की गई। विगत दिवस बालक के संबंध में पुख्ता जानकारी मिलने पर कैंट थाना पुलिस ने तत्परता से उसे सुरक्षित दस्तयाब कर लिया। आवश्यक कानूनी औपचारिकताओं के बाद बालक को बाल कल्याण समिति के समक्ष पेश किया गया, जहां समिति द्वारा प्रक्रिया पूरी कर उसे परिजनों को सौंप दिया गया। इस कार्रवाई में कैंट थाना टीम की सराहनीय भूमिका रही।

अशोकनगर के हृदय स्थल गांधी पार्क का भव्य जीर्णोद्धार, आकर्षक स्वरूप में हुआ लोकार्पण

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

अशोकनगर। शहर के हृदय स्थल गांधी पार्क, जो पिछले कई वर्षों से बदहाल स्थिति में था, अब नगर पालिका परिषद अशोकनगर के प्रयासों से एक नए और आकर्षक स्वरूप में नजर आ रहा है। नगर पालिका परिषद द्वारा अपनी परिषद में जीर्णोद्धार का प्रस्ताव पारित कर गांधी पार्क का सौंदर्यीकरण कराया गया, जिसका आज विधिवत लोकार्पण एवं शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर अशोकनगर विधायक हरिबाबू राय , नगर पालिका अध्यक्ष नीरज मानोरिया एवं पूर्व विधायक जजपाल सिंह जज्जी,न.पा उपाध्यक्ष प्रतिनिधि मनोज शर्मा, प्रताप भान यादव सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने फीता काटकर गांधी पार्क का लोकार्पण किया।

जीर्णोद्धार के बाद गांधी पार्क को बेहद आकर्षक रूप दिया गया है। पार्क में सुंदर-सुंदर पेड़-पौधे



लगाए गए हैं, जो इसकी सुंदरता में चार चांद लगा रहे हैं, वहीं फाउंटेन से निकलते पानी के मनमोहक फव्वारे पार्क की खूबसूरती को और बढ़ा रहे हैं। इसके साथ ही बाहर से मंगवाई गई आकर्षक लाइटिंग से पूरा पार्क जगमगा उठा है। शाम के समय रंग-बिरंगी रोशनी, फव्वारों की खूबसूरती और हरियाली से सुसज्जित गांधी पार्क अब शहरवासियों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र बन गया है। पार्क का नया स्वरूप देखते ही बनता है और यहां आने वाले लोगों के लिए यह एक सुंदर एवं सुकून भरा स्थान साबित होगा। कई वर्षों से उपेक्षित रहे शहर के इस प्रमुख स्थल को नया स्वरूप मिलने से शहरवासियों में भी खुशी का माहौल है। गांधी पार्क का यह जीर्णोद्धार अशोकनगर शहर की सुंदरता और विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस अवसर पर रविंद्र लोधी, श्रीमती शीला जाटव, नन्दलाल यादव, वरिष्ठ पार्षद महेंद्र भारद्वाज, राजेंद्र कुशवाहा, मोनू रघुवंशी, डॉ जयमंडल यादव, धर्मेंद्र रघुवंशी खेजरा, राशिद खान चिन्ना, मनीष धुरेंटे, गोपाल ओझा, राजकुमार यादव नगेश्री, सतपाल लोधी, सत्येंद्र कलावत, राकेश शर्मा, जे.पी अग्रवाल, मालती सेन, बाबा शिवहरे सहित गणमान्य अतिथि गण उपस्थित रहें।

17 वर्षीय बालिका को सकुशल बरामद कर आरोपी गिरफ्तार

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

अशोकनगर। पुलिस अधीक्षक अशोकनगर राजीव कुमार मिश्रा के निर्देशन में जिले में अपहृत नाबालिग बालिकाओं की शीघ्र दस्तयाबी हेतु विशेष अभियान चलाया जा रहा है जिसके अंतर्गत सभी थाना प्रभारियों को ऐसे मामलों में त्वरित कार्यवाही के निर्देश दिए गए थे।

इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक अशोकनगर राजीव कुमार मिश्रा के निर्देशन में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अंतर सिंह कनेश एवं एसडीओपी मुंगावली श्री ओमप्रकाश मिश्रा के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी मुंगावली उपनिरीक्षक



अरविंद सिंह कछुवाह द्वारा अपहृत 17 वर्षीय नाबालिग बालिका को सकुशल दस्तयाब कर 24 घंटे के भीतर आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। उल्लेखनीय है कि 26 सितंबर को फरियादी द्वारा अपनी 17 वर्षीय नाबालिग भांजी को अज्ञात व्यक्ति द्वारा बहला-फुसलाकर ले जाने की रिपोर्ट थाना मुंगावली में दर्ज कराई गई थी। रिपोर्ट पर अपराध क्रमांक 435/26, धारा 137(2) बीएनएस के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया था।

पॉक्सो एक्ट का मामला दर्ज

पुलिस अधीक्षक मिश्रा द्वारा थाना प्रभारी मुंगावली को उक्त प्रकरण में त्वरित कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया। पुलिस टीम ने प्राप्त सूचना के आधार पर नाबालिग बालिका को सकुशल दस्तयाब किया। बालिका के कथनों के आधार पर प्रकरण में बलात्कार एवं पॉक्सो एक्ट की सुसंगत धाराओं का इजाफा किया गया। पुलिस द्वारा दस्तयाबी के 24 घंटे के भीतर आरोपी शिशुपाल पुत्र जुग्गा आदिवासी, निवासी बेहटी, थाना चंदेरी को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी मुंगावली उपनिरीक्षक अरविंद सिंह कछुवाह, उपनिरीक्षक मीना वरुण, प्रधान आरक्षक अरविंद सिंह मौर्य, प्रधान आरक्षक राजेंद्र बघेल एवं महिला आरक्षक राजकंवर तिग्गा की सराहनीय भूमिका रही। पुलिस के अनुसार पुलिस अधीक्षक राजीव कुमार मिश्रा के निर्देशन में अशोकनगर पुलिस द्वारा जिले में अपहृत नाबालिग बालिकाओं की शीघ्र दस्तयाबी एवं आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी हेतु प्रभावी कार्यवाही निरंतर जारी रहेंगी।

पुलिस एवं ड्रग इंस्पेक्टर की संयुक्त टीम द्वारा मेडिकल स्टोरों का निरीक्षण

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

अशोकनगर। पुलिस अधीक्षक अशोकनगर राजीव कुमार मिश्रा के निर्देशन में जिले में नशीले पदार्थों एवं प्रतिबंधित दवाओं के अवैध विक्रय और दुरुपयोग पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से आज थाना कोतवाली पुलिस एवं ड्रग इंस्पेक्टर की संयुक्त टीम द्वारा अशोकनगर शहर के विभिन्न मेडिकल स्टोरों का निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान मेडिकल स्टोरों पर एविल, कोडीन सिरप, क्लोनाफिट टैबलेट सहित अन्य प्रतिबंधित एवं नशीली दवाओं के स्टॉक का परीक्षण किया गया। पुलिस एवं ड्रग इंस्पेक्टर द्वारा मेडिकल स्टोर संचालकों को सख्त हिदायत दी गई कि किसी भी प्रतिबंधित अथवा नशीली दवा का विक्रय बिना



वैध चिकित्सकीय पर्चे के न किया जाए। कार्यवाही में थाना प्रभारी कोतवाली रवि प्रताप सिंह चौहान एवं ड्रग इंस्पेक्टर जितेंद्र शर्मा के नेतृत्व में उपनिरीक्षक मुकेश शर्मा, सहायक उपनिरीक्षक देशराज सिंह, प्रधान आरक्षक दिनेश कुशवाह एवं आरक्षक सूरज खटीक, आरक्षक राजू रघुवंशी, आरक्षक विष्णु धाकड़, आरक्षक श्रीकांत शुक्ला शामिल रहे।

रेलवे पटरी के पास जुए के फड़ पर दबिश, 7 जुआरी गिरफ्तार

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

गुना। जिले में जुआ, सट्टा एवं अन्य अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत कैंट थाना पुलिस ने चौरसिया कॉलोनी रेलवे पटरी के पास जुए के फड़ पर दबिश देकर 7 जुआरियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मौके से 14,800 रुपये नकद और ताश की गड्डी जब्त की है।

पुलिस के अनुसार, 19 नवंबर की शाम कैंट थाना पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि चौरसिया कॉलोनी रेलवे पटरी के पास कुछ लोग ताश के पत्तों पर रुपये की हार-जीत का दांव लगाकर जुआ खेल रहे हैं। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और जुआ खेलते हुए 7 लोगों को पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपियों की पहचान इमरान पुत्र युसुफ खान, गोलू पुत्र रामभरोसा रजक, लखन पुत्र लालचंद जाटव, गोलू पुत्र बैजनाथ रजक, सुरेश पुत्र गोपाल सिंह कुशवाह, दीपक पुत्र भागीरथ रजक और पप्पू पुत्र हरिराम अहिरवार के रूप में हुई है। सभी आरोपी गुलाबगंज कैंट क्षेत्र के निवासी हैं।

पुलिस ने सभी सातों आरोपियों के खिलाफ कैंट थाने में अपराध क्रमांक 1106/26 के तहत धारा 13 जुआ एक्ट में प्रकरण दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई की है। महत्वपूर्ण भूमिका रही।

गीता स्वाध्याय 21 नवंबर को पीली कोठी पर होगा

गुना। विश्व गीता प्रतिष्ठानम और गीता संस्कृत स्वाध्याय मंडल के तत्वावधान में गीता स्वाध्याय का आयोजन शनिवार, 21 नवंबर को 3 बजे से भार्गव कॉलोनी स्थित पीली कोठी पर किया जाएगा। प्रचार प्रमुख पंडित मनोज शर्मा के अनुसार, स्वाध्याय में श्रीमद्भगवद् गीता के 13वें अध्याय के 12वें से 22वें श्लोक तक की विस्तृत व्याख्या होगी, जिसमें विद्वान श्लोकों का सरल अर्थ, जीवन में उपयोगिता और आध्यात्मिक भावार्थ समझाएंगे। आयोजन के यजमान प्रभाकर भार्गव ने धर्मप्रेमी जनों, स्वाध्याय प्रेमियों और नगरवासियों से कार्यक्रम में शामिल होकर गीता ज्ञान का लाभ लेने का आग्रह किया है।

35 वर्षों से श्रद्धा का प्रतीक बनी अशोकनगर की मंगल प्रभातफेरी

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

अशोकनगर। देवोत्थान एकादशी के पावन अवसर पर अशोकनगर में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी अक्षरपीठ के तत्वावधान में पूज्य पं. कैलाशपति जी के नेतृत्व में भव्य मंगल प्रभातफेरी का आयोजन श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ किया गया। लगभग 35 वर्षों से निरंतर चली आ रही इस अनूठी धार्मिक परंपरा ने एक बार फिर पूरे नगर को भक्तिमय वातावरण से सराबोर कर दिया।

आज के दौर में जहां आधुनिकता की चकाचौंध के बीच औपचारिकताएं ही शेष रह जाती हैं, वहीं अशोकनगर की यह मंगल प्रभातफेरी आज भी विशुद्ध भक्ति, श्रद्धा और धार्मिकता का जीवंत पर्याय बनी हुई है। इस आयोजन की सबसे बड़ी विशेषता सनातन परंपरा की एकरूपता, अनुशासन और निर्धारित समय पर ईश्वर की सामूहिक आराधना है। पिछले 35 वर्षों से यह आध्यात्मिक क्रम अनवरत जारी है, जो अपने आप में अनुकरणीय है।

श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की

प्रभातफेरी में हजारों की संख्या में माताओं-बहनों, युवाओं एवं श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। प्रभातफेरी का विशाल स्वरूप, श्रद्धालुओं की अपार भीड़,पारंपरिक वेशभूषा तथा भजन-कीर्तन से गुंजायमान वातावरण आयोजन की भव्यता और आध्यात्मिक गरिमा को प्रदर्शित कर रहा था। प्रभातफेरी के मार्ग में नगरवासियों द्वारा जगह-



जगह पुष्पवर्षा कर एवं आकर्षक रंगोलियां बनाकर श्रद्धालुओं का आत्मीय स्वागत किया गया। विभिन्न स्थानों पर हुए इन स्वागत आयोजनों ने प्रभातफेरी की भव्यता में चार चांद लगा दिए। नगरवासियों ने पूरे उत्साह और श्रद्धाभाव से सहभागिता करते हुए इस आयोजन को सामूहिक आस्था और सामाजिक एकजुटता का उत्सव बना दिया।विशेष रूप से मातृशक्ति की बड़ी संख्या में सहभागिता ने इस आयोजन को विशिष्ट पहचान प्रदान की। पूरे आयोजन के दौरान नगर में धर्म, संस्कृति, आस्था और सामाजिक समरसता का अद्भुत संगम देखने को मिला। मंगल प्रभातफेरी के समापन अवसर पर माधव भवन प्रांगण में अत्यंत भव्य एवं भक्तिमय धार्मिक आयोजन हुआ। यहां श्री गिरधरलाल जी की सहस्त्रों दीपकों से भव्य आरती उतारी गई। इसके पश्चात पूज्य पं. कैलाशपति जी के मुखारविंद से देव प्रबोधन मंत्रों द्वारा देव जागरण की विधि संपन्न कराई गई। संपूर्ण वातावरण दीपों की दिव्यता, मंत्रोच्चार और श्रद्धालुओं की भक्ति से आलोकित हो उठा। अंत में श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण किया गया। अक्षरपीठ एवं पूज्य पं. कैलाशपति जी के नेतृत्व में निरंतर आगे बढ़ रही यह मंगल प्रभातफेरी आने वाली पीढ़ियों को भी अपनी धार्मिक एवं सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने का प्रेरणादायी कार्य कर रही है। 35 वर्षों से एक ही श्रद्धा, एक ही अनुशासन और एक ही भाव से ईश्वर की आराधना का यह क्रम विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान बन चुका है।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक- जितेंद्र कोठारी द्वारा पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विस प्रा.लि. राऊखेड़ी, देवास रोड, इंदौर (म.प्र.) 453771 से मुद्रित एवं 107, प्रथम माला, स्वदेश भवन, ए.बी. रोड, इंदौर (म.प्र.) 452011 से प्रकाशित। संपादक-राघवेंद्र*।
आरएनआई नं. एमपीबीआईएल/2020/80117, फोन- 0731 3144237, मो. 83570 89000, Email-mradubhashi.news@gmail.com। समाचार चयन के लिए पीआरपी एक्ट के तहत जिम्मेदार। (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा।)